दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 53 | ग्वालियर रविवार 20 नवम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

अमित शाह ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

कहा- आतंकी पनाहगाहों पर आर्थिक कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली। नो मनी फॉर टेरर के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान शनिवार (19 नवंबर, 2022) को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को लेकर अपनी बात रखी। शाह ने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि कुछ देशों, उनकी सरकारों और उनकी एजेंसियों ने 'आतंकवाद' को अपनी राज्य नीति बना लिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पनाहगाहों पर आर्थिक कार्रवाई जरूरी है। अमित शाह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों और आतंकवाद को पनाह देने वालों का बार-बार समर्थन करते हैं। मेरा मानना है कि आतंकवाद की कोई अंतर्राष्टीय सीमा नहीं होती, इसलिए सभी देशों को राजनीति को भुलाकर एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कि कुछ देशों, उनकी सरकारों व एजेंसियों ने 'टेररिज्म' को स्टेट पालिसी बनाया है। उन्होंने कहा कि टेरर हेवन्स पर आर्थिक प्रतिबंध के साथ सभी प्रकार की नकेल कसना आवश्यक है। इस पर दुनिया के सभी देशों को अपने जियो-पॉलिटिकल इंटरेस्ट से ऊपर उठ एक मन बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि हम टेररिज्म के सभी रूपों के खिलाफ एक प्रभावी, दीर्घकालिक और ठोस लड़ाई के बिना भय-मुक्त समाज, भय-मुक्त दुनिया नहीं सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा स्पष्ट मानना है कि आतंकवाद लोकतंत्र, मानव अधिकार, आर्थिक प्रगति और विश्व शांति के खिलाफ नासूर है, जिसे हमें जीतने नहीं देना है। गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी एक देश या संगठन आतंकवाद को अकेला नहीं हरा सकता। गृह मंत्री ने कहा कि हाल ही में भारत सरकार ने सामाजिक गतिविधियों की आड़ में युवाओं को रेडिकलाइज कर उन्हें आतंक की ओर धकेलने की साजिश करने वाली संस्था को बैन किया है। मेरा मानना है कि हर देश को ऐसी संस्थाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें टेररिज्म और टेररिस्ट गुटों के खिलाफ इस लड़ाई को प्रत्येक भौगोलिक और वर्चुअल क्षेत्र में लड़ना होगा। आतंकवाद को लेकर शाह ने कहा कि टेररिज्म के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति, काउंटर-टेरर कानूनों के मजबूत फ्रेमवर्क व एजेंसियों के सशक्तिकरण के कारण भारत में टेररिज्म से होने वाली घटनाओं में कमी आई है और टेररिज्म के मामलों में सख्त सजा दिलाने में सफलता हासिल की गई है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने यह भी तय किया है कि टेररिज्म, नारकोटिक्स और आर्थिक अपराध जैसे अपराधों पर राष्?ट्रीय और अंतर्राष्टीय डेटाबेस विकसित किया जाए। भारत सरकार ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना की है।

रिटायर्ड आईएएस अरुण गोयल होंगे चुनाव आयुक्त, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सेवानिवृत्त नौकरशाह अरुण गोयल को शनिवार (19 नवंबर, 2022) को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। देश के शीर्ष चुनाव निकाय में तीसरा पद छह महीने

से खाली है। गोलय पंजाब कैडर के पूर्व अधिकारी है। नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के एक दिन बाद राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया। शनिवार शाम को केंद्रीय कानून मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्टपति द्रोपदी मुर्मु ने अरुण गोयल, आईएएस (सेवानिवृत्त) को चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया है, जिस तारीख से वह पदभार ग्रहण करते हैं। 1985 बैच के पंजाब कैडर के अधिकारी अरुण गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे के साथ चुनाव पैनल में शामिल होंगे। तीन सदस्यीय आयोग में एक चुनाव आयुक्त का पद 15 मई से खाली है, जब तत्कालीन चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सुशील चंद्रा के पद से सेवानिवृत्त होने पर मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला था। बता दें, अरुण गोयल के त्यागपत्र को पंजाब और केंद्र सरकार ने एक ही दिन में स्वीकार कर लिया गया। ऐसा बहुत कम होता है कि होम कैडर से लेकर पीएमओ तक फाइल एक ही दिन में क्लियर हो जाए। इसी कारण पूरी ब्यूरोक्रेसी में उनके इस्तीफे को लेकर चर्चा रही। गोयल शुक्रवार तक भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव थे। उन्होंने कैबिनेट की नियुक्ति समिति के एक आदेश के अनुसार स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी, जिसने उनकी जगह उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी कामरान रिजवी को नियुक्त किया था। पहले उनके 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने की उम्मीद थी। 2019 में भारी उद्योग सचिव के रूप में नियुक्त होने से पहले, गोयल संस्कृति मंत्रालय के सचिव थे। उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार नेपाल में रविवार को होने वाले आम चुनाव के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। कुमार (62) भारत के निर्वाचन आयोग के दो अधिकारियों सहित चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। नेपाल में 20 नवंबर को संघीय संसद के 275 सदस्यों और सात प्रांतीय विधानसभाओं की 550 सीट के लिए चुनाव होने हैं।

दिल्ली में लुढ़का पारा, इन राज्यों में है हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

नई दिल्ली।समेत देशभर के कई राज्यों में मौसम बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। राजधानी दिल्ली में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है और सर्दी का एहसास बढ़ने लगा है। राजस्थान सहित कई अन्य राज्यों में कड़ाके की ठंड बढ़ने लगी है। दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार कई राज्यों में हल्की बारिश की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली और आसपास के इलाकों में सर्दी का जोर और तेजी से बढ़ने की संभावना है। 18 नवंबर को सुबह के वक्त दिल्ली का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया है। ढ्ढरूष्ठ की मानें तो आने वाले दिनों में पारा और गिर सकता है। विभाग के अनुसार दिल्ली में तापमान लगातार गिर रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा है। विभाग के अनुसार राजस्थान के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गयी है। शेखावाटी व उत्तरी राजस्थान में बादलों की वजह से तापमान में बढ़त हो रही थी पर उसका असर कम होने के साथ ही तापमान में कमी होना शुरू हो गई है. जिसका असर आगामी दो- तीन दिन तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर लद्दाख हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों बर्फबारी के साथ-साथ बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने अलर्ट भी जारी किया है।

भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में एक्टिविस्ट गौतम नवलखा को मिली जमानत

नई दिल्ली। भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में एक्टिविस्ट गौतम नवलखा जमानत पर रिहा कर दिया गया है। हालांकि, रिहा होने के बाद उन्हें नजरबंद रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नवलखा को शनिवार (19 नवंबर, 2022) को तलोजा केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया। अब उन्हें नवी मुंबई में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के स्वामित्व वाले एक सामुदायिक हॉल में नजरबंद रखा जाएगा। नवलखा को घर में नजरबंद रखने के 10 नवंबर के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने के लिए राष्टीय जांच एजेंसी ने अर्जी दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि नवलखा को 24 घंटे के अंदर जेल से शिफ्ट करके घर में नजरबंद किया जाए। बता दें कि नवलखा एल्गार परिषद-माओवादी संपर्क मामले में जेल में बंद थे।

एक्टिविस्ट गौतम नवलखा हुए जेल से रिहा–शीर्ष अदालत ने नवलखा को उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण नजरबंद करने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने आदेश में कुछ शर्तें भी रखी हैं। उन्हें हाउस अरेस्ट के दौरान सीसीटीवी निगरानी में रहना होगा, फोन इस्तेमाल नहीं कर सकते और इंटरनेट उपयोग करने पर भी प्रतिबंध है। इसके अलावा, कोर्ट ने नवलखा की पार्टनर सहबा हुसैन को उनकी बहन की जगह उनके साथ रहने की इजाजत दे दी है। एनआईए ने चुने गए परिसरों पर सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए हाउस अरेस्ट पर आपत्ति जताई थी । एनआईए की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत को बताया कि यह इमारत कम्युनिस्ट पार्टी की है और यह फ्लैट नहीं बल्कि एक

सार्वजनिक पुस्तकालय का हिस्सा है। एनआईए की याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी को चेतावनी दी कि अगर आप हमारे आदेश की अवहेलना करने के लिए कोई खामी खोजने की कोशिश कर रहे हैं, तो हम इसे गंभीरता से लेंगे। इससे पहले बुधवार को शीर्ष अदालत ने नवलखा की हाउस अरेस्ट के लिए तलोजा जेल से रिहाई के लिए सॉल्वेंसी सर्टिफिकेट की आवश्यकता को समाप्त कर दिया था। बता दें कि वह भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में यूएपीए के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

24 घंटे के भीतर लागू हो आदेश, गौतम नवलखा की हाउस अरेस्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्टीय जांच एजेंसी को आदेश दिया है कि ऑर्डर की कॉपी मिलने के 24 घंटे के अंदर गौतम नवलखा को हाउस अरेस्ट पर भेजा जाए। कोर्ट ने हाउस अरेस्ट की अनुमति देने वाले अपने आदेश को वापस लेने के राष्टीय जांच एजेंसी (एनआईए) के आवेदन को शुक्रवार (18 नवंबर, 2022) को खारिज कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हम आदेश वापस नहीं लेंगे, लेकिन दोनों पक्षों को सुनने के बाद हम कुछ और एहतियाती उपाय करने को कह रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि दूसरे दरवाजे और खिड़की की ग्रिल को सील कर

दिया जाए। उसकी चाभी अपने पास रखें। ग्रिल के बगल में बिस्तर न लगाया जाए। सीसीटीवी कैमरा भी दक्षिणी द्वार पर लगाया जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस केस में सुप्रीम कोर्ट अपने हाउस अरेस्ट के आदेश को वापस ले। इस केस में ऐसे तथ्य आए हैं, जिनको छिपाया गया हैं। ये हमारी ड्यूटी है कि सारे मामले को कोर्ट के सामने रखे। मेहता ने कोर्ट को बताया, 'तथ्य काफी चौंकाने वाले हैं। सब मान रहे थे कि नवलखा का स्वास्थ्य खराब है। उन्होंने कई अस्पतालों में जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद वो जसलोक अस्पताल गए, जहां उन्होंने एक वरिष्ठ डॉक्टर से अपने रिश्ते छिपाए।' इस पर जस्टिस जोसेफ ने कहा, 'यह सब दलीलें पहले हो चुकी हैं। यह मामला ऐसा नहीं है कि आपको दलीलें देने का मौका नहीं मिला। पूरी तरह सुनवाई हुई थी। अब क्या पुनर्विचार चाहते हैं?'इस पर मेहता ने कहा, 'भारी दिल से कह रहे हैं। जेलों में उनके जैसे और भी कैदी हैं। उनको इस तरह हाउस अरेस्ट में नहीं रखा जा सकता। मेडिकल रिपोर्ट देने वाले डॉक्टर नवलखा के रिश्तेदार हैं। इसके अलावा जो भवन नवलखा की नजरबंदी के लिए तय किया गया है वो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का दफ्तर है। इसके बाद जस्टिस जोसेफ ने कहा कि तो क्या हुआ। जोसेफ ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी देश की मान्यता प्राप्त पार्टी है। इस पर मेहता ने कहा, 'क्या आपकी अंतरात्मा इसे सही मानती है। इस पर जस्टिस जोसेफ ने कहा कि हां मुझे इसमें कोई गड़बड़ नहीं दिखती। मेहता ने कहा कि हमें इसमें गड़बड़ी लगी। इसलिए मैंने कोर्ट के सामने यह तथ्य रखा। मुख्य तीन आधारों पर नवलखा के हाउस अरेस्ट को कैंसिल करने की मांग की थी। ईडी का कहना था कि तथ्यों को जानबूझकर छिपाया गया। कानूनी प्रक्रिया दुरुपयोग किया गया। साथ ही एक्टिविस्ट की मेडिकल रिपोर्ट के संबंध में पक्षपात हुआ।

ये गंभीर मुद्दा, हम पहले इसे देखेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को करारा झटका दिया है। अदालत का कहना है कि वो अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पहले सुनवाई करेगा। उसके बाद सेना भरती से जुड़ी दूसरी याचिकाओं पर विचार होगा। कोर्ट ने इसके लिए 12 दिसंबर की तारीख तय की है। अपने फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि अग्निपथ स्कीम बेहद गंभीर मसला है। हम पहले इसे ही देखेंगे। केंद्र सरकार के लिए ये झटका है, क्योंकि केंद्र ने पहले अपने जवाब में कहा था कि स्कीम से जुड़ी याचिकाओं को खारिज किया जाए।

सावरकर ने अंग्रेजों से मांगी थी माफी, महात्मा गांधी के परपोते तुषार बोले- ये वाट्सऐप यूनिवर्सिटी का जुमला नहीं, ऐतिहासिक तथ्य

भारतीय इतिहास में विनायक दामोदर सावरकर को लेकर सत्ता पक्षऔर विपक्ष की अलग-अलग धारणाएं हैं। शुक्रवार (18 नवंबर) को महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने सावरकर के बारे में बयान दिया। गांधी के परपोते तुषार गांधी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए कहा,यह सच है कि वीर सावरकर अंग्रेजों के दोस्त थे, उन्होंने खुद को जेल से बाहर निकालने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी थीज ऐसा नहीं है कि हमने इसे व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से लिया है, इतिहास में इस बात के सबूत हैं। तुषार गांधी ने शुक्रवार को महाराष्ट में भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लिया था। वीर सावरकर को लेकर दिए गए उनके बयान पर सियासी गलियारों में चर्चा हो रही है। कांग्रेस पार्टी ने पहले भी वीर सावरकर

को लेकर ये बात कही है कि वो अंग्रेजों के साथी रहे हैं, जबकि बीजेपी ने वीर सावरकर को एक महान क्रांतिकारी के तौर पर पेश किया है। इस बीच तुषार गांधी के बयान ने सावरकर के मुद्दे को एक बार फिर से हवा दे दी है। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद तुषार गांधी ने भारतीय इतिहास में यात्राएं देश का पारंपरिक हिस्सा रही हैं। इन यात्राओं ने कई महत्वपूर्ण क्रांतियों को जन्म दिया है। आज जब देश में हमारे पूर्वजों के स्थापित किए गए ढांचे बदले जा रहे हैं तब ऐसे में ये समझना ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभी हमने हार नहीं मानी है।

महाराष्ट में भारत जोड़ो यात्रा निकालते हुए राहुल गांधी ने वीर सावरकर को अंग्रेजों का मददगार बताया। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि वीर सावरकर ने अंग्रेजों को लिखे गए एक पत्र में कहा था, 'सर मैं आपका आज्ञाकारी सेवक बने रहने का याचना करता हूं।'इतना ही नहीं सावरकर ने इस पत्र पर अपने हस्ताक्षर भी किए थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने इस दौरान सावरकर को अंग्रेजों की मदद करने वाला भी कहा था। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें डर था क्योंकि उन्होंने सरदार पटेल और महात्मा गांधी जैसे बड़े नेताओं को धोखा दिया था।

'अटकाना, लटकाना, भटकाना' युग समाप्त हुआ

अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर के लोगों से बोले पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। यह राज्य का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि अटकाने, लटकाने और भटकाने का समय चला गया। ईटानगर में पीएम मोदी ने कहा, फरवरी 2019 में इस एयरपोर्ट का शिलान्यास हुआ था और ये सौभाग्य मुझे मिला था। हम ऐसा वर्क कल्चर लाए हैं, जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम करते हैं। अटकाना, लटकाना और भटकाना वह समय चला गया। उन्होंमे कहा, जब मैंने 2019 में इसका शिलान्यास किया, तब चुनाव होने वाले थे। राजनीतिक टिप्पणीकारों ने शोर मचाया कि हवाई अड्डा नहीं बनने जा रहा है और आज इसका उद्घाटन हो रहा है।

पूर्वोत्तर को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है॰ कहा, देश ने 2014 के बाद हर गांव तक बिजली पहुंचाने का अभियान शुरू किया था। इस अभियान का बहुत बड़ा लाभ अरुणाचल प्रदेश के गांवों को भी हुआ

है। यहां ऐसे अनेकों गांव थे, जहां आजादी के बाद पहली बार बिजली पहुंची थी। हमारी सरकार ने इन्हें आखिरी गांव, आखिरी छोर नहीं बल्कि देश का प्रथम गांव मानकर काम किया। उन्होंने कहा, 'आज देश में जो सरकार है, उसकी प्राथमिकता देश का विकास है, देश के लोगों का विकास है। साल में 365 दिन, चौबीसों घंटे, हम देश के विकास के लिए ही काम करते हैं। कल्चर हो या एग्रीकल्चर, कॉमर्स हो या कनेक्टिविटी, पूर्वोत्तर को आखिरी नहीं बल्कि सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है। सरकार ने सिर्फ 8 साल में 7 नए एयरपोर्ट बनाए॰ईटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं जब भी अरुणाचल आता हूं, एक नई उमंग, ऊर्जा और नया उत्साह लेकर जाता हूं। अरुणाचल के लोगों के चेहरे पर कभी भी उदासीनता और निराशा नहीं झलकती है, अनुशासन क्या होता है? ये यहां हर व्यक्ति और घर में नजर आता है।÷ पीएम मोदी ने कहा कि डोनी पोलो हवाई अड्डा अरुणाचल प्रदेश का चौथा परिचालन हवाई अड्डा है। स्वतंत्रता के बाद 7 दशकों तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में केवल 9 हवाई अड्डे थे। हालांकि, हमारी सरकार ने सिर्फ 8 साल में 7 नए एयरपोर्ट बनाए।

विभिन्न स्थानों पर मनाई सरदार वल्लभभाई पटैल की जयंती

बनखेड़ी । लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् नेहरू युवा केन्द्र खेल विभाग बनखेड़ी ने रन फॉर यूनिटी का कार्यक्रम आयोजित किया। वही बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। सीएमसीएलडीपी में कार्यरत परामर्श दाताओं ने अपने-अपने सेक्टरों में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक कार्यों में सहभागिता की परामर्शदाता मकरंद सिंह कुशवाहा ने ग्राम भ्रमण कर नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाएं प्रभु दयाल कुशवाहा ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई सुरेंद्र मौर्य द्वारा रैली का आयोजन किया गया वही धर्मेंद्र शर्मा ने शासकीय हाई स्कूल महुआखेड़ा में सरदार वलभ भाई पटेल की जयंती में सहभागिता की छात्रों ने वन विभाग के सामने से मेला ग्राउंड तक दौड़ लगाकर एकता अखंडता का संदेश दिया तथा स्वर्गीय पटैल के दृढ़ निश्चयी व्यक्तित्व को निरूपित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के बीसी मुकेश कुमार सोलंकी परामर्शदाता प्रभु दयाल कुशवाहा खेल समन्वयक देवेंद्र उरहा नेहरू युवा केन्द्र से आकाश अमोले शासकीय हाई स्कूल में प्राचार्य राजकुमार पाली आर एस खुरासान रामकृष्ण वीके दिनेश पाल बीएल इमने, अन्नपूर्णा शर्मा सुषमा मेहरा प्रियंका राकेश, ओमवती पटेल सुनील बाथरे उपस्थित रहे।

रन फार यूनिटी का किया कार्यक्रम स्वच्छता को लेकर दिलाई शपथ

मोदी संविधान को कमजोर कर रहे मगर देश को बचाने राहुल तपस्या पर: त्रिपाठी

शहर से जाटखेड़ा तक भारत जोड़ो अभियान के तहत निकाली पदयात्रा, गांव में गांधी चौपाल आयोजित

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व संभाग प्रभारी डा सुधांशु त्रिपाठी ने कहा है की भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले वर्षो में बाबा साहब के संविधान सहित लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश को जोड़ने और लोकतंत्र व संविधान को बचाने की यात्रा पर निकले है यात्रा को मिल रहा समर्थन बता रहा की उनकी तपस्या में वो सफल होंगे। यह बात त्रिपाठी ने आज जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में श्योपुर से जाटखेड़ा गांव तक निकली पदयात्रा के बाद गांधी चौपाल कार्यक्रम में ग्राम वाशियो के बीच कही त्रिपाठी ने इस दौरान गांव में चौपाल पर आई महिला पुरषों से से सीधा संवाद स्थापित कर उनके द्वारा भाजपा राज में उपजी समस्याओं को सुना कई महिलाओं ने कहा की कांग्रेस राज में अच्छे दिन थे अब तो बुरे दिन है महंगाई सहित अन्य किसानों के मुद्दो पर त्रिपाठी ने संवाद किया ग्रामीणों ने कहा की खाद , बीज , डीजल , पेट्रोल सहित हर वस्तु ने मोदी राज में महंगाई भारी बड़ी है वही संवाद में सीताराम बैरवा ने कहा की भाजपा ई वी एम के जरिए गलत तरीके से चुनाव जीत रही है वोट पुरानी पद्धति से डालने चाहिए इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा की आज श्योपुर क्षेत्र में किसानों की कई जगह भाजपा राज में घरेलू बिजली गांव के गांव

बंद कर प्रताड़ना की जा रही है चौहान ने कहा की आज धान सहित सोयाबीन व अन्य फसलों का अतिवृष्टि से नुकसान 15 से 100 तक हुआ है लेकिन शिवराज सरकार ने किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया। इस दौरान वरिष्ठ नेता शौकत उल्ला खान, प्रदेश सचिव रामलखन हिरणीखेड़ा, कुंजबिहारी सर्राफ, वीपी सिंह मीणा, अंशु शुक्ला, सरपंच हरिसिंह मीणा, रामचरण मीणा जैनी, रामशंकर मीणा धीरोली ,मांगीलाल फोजी, संजू कुशवाह, रामभरत मीणा जैनी, ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम उपरांत डा कमल शर्मा, व अनवर बालापुरी ने गांधी जी का रघुपति राघव राजाराम गीत गाया। इस दौरान पदयात्रा में पूर्व विधायक सत्यभानू चौहान, वरिष्ठ नेता भीमसेन शर्मा, किशन शर्मा, लक्ष्मी नारायण मीणा, देवीराम जाट आवदा, असलम खान बड़ौदा, राजू शर्मा,बजरंग लाल बैरवा ,सीताराम बैरवा ,मांगीलाल सुमन, शिवचरण मीणा जैनी, पार्षद सुमेर जाटव, इमरान खान, श्रीमती लक्ष्मी शिवहरे, महिला नेत्री सुनीता नायक, रूबीना खान, जनपद सदस्य विजय सिंह मीणा सोई,हरिओम मीणा जैनी, सादिक खान ज्वालापुर, रामचरण मीणा बासोंद, प्रदीप जाट, गोलू मीणा चोपना, धर्मेंद्र मीणा चंद्रपुरा, मुकेश मीणा हिरणीखेड़ा, रज्जाक खान अध्यक्ष, सुमेर बैरवा अध्यक्ष, दीपक गुप्ता, रुकमाल मीणा दलारना, ब्रजेश योगी, शंभू मीणा, लोकेंद्र मीणा, रामभरत मीणा गांवड़ी, लेखराज जाटव, मुकेश बैरवा, सोमत आदिवासी, बृजमोहन आदिवासी, जगदीश जागा,ब्रजेश अर्गल, सखावत खान, सकील खान, सहनावाज खान, रहीश खान, राजू वैष्णव, रमेश सुमन, रामदयाल नायक, महावीर सुमन, राजा खान, छोटू मीणा, अजय मीणा, कार्तिक आर्य,हनीफ खान बगवाज, सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन व ग्रामवासी उपस्थित थे।

थानों में ली देश की अखंडता की शपथ, मैराथन में रेनू कुशवाह प्रथम और रनिया द्वितीय

श्योपुर । श्योपुर में पुलिस स्मृति दिवस पर सोमवार को जिले के 17 थानों में शपथ ग्रहण समारोह हुए। थानों के थाना प्रभारी और अन्य स्टाफ ने एकता की शपथ ली। पुलिस स्मृति दिवस के साथ-साथ पुलिसकर्मियों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती भी मनाई गई। विजयपुर में मैराथन दौड़ आयोजित की गई। मैराथन में छात्रा रेनू कुशवाह प्रथम स्थान पर रही। दूसरे स्थान पर छात्रा रनिया कुशवाह रही। उन्हें विजयपुर की महिला सब इंस्पेक्टर आशा मौर्य ने सील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सभी थाना प्रभारियों ने पुलिस थानों में दर्ज पेंडिंग अपराधों का जल्द से जल्द निराकरण करने और अपने-अपने थाना क्षेत्र की सीमा में नशे के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाकर, लोगों को नशामुक्ति का संदेश देने की शपथ दिलाई।

स्वभिमान और परमार्थ के प्रेरक थे स्व.ठा.मुन्नासिंहतोमर: श्री ठाकुर

ग्वालियर को आतंक से भयमुक्त करने वाले स्व मुन्ना सिंह तोमर

जी की 27 वींपुण्यतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में सेवड़ा सनकुआ धाम पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें साधु संतों को फल वितरण एवं आत्मा की शांति हेतु भूपेंद्र शास्त्री द्वारा पाठ किया गया इस अवसर पर श्यामू ठाकुर ने कहा की 26 वर्ष पूर्व हमारे स्वाभिमान और सम्मान को दुष्टों के षडयंत्र,धोखे और कुटिलता के शिकार हुए चंबल के स्वाभिमान आदरणीय ठाकुर मुन्ना सिंह तोमर को हजारों गरीबों,वंचितों की और से अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं स्वर्गीय ठाकुर स्वाभिमान व परामर्श के पेर्रक थे ।दशकों तक ग्वालियर जहाँ भय और आतंक व्याप्त था लोग अपराधियो के आतंक से त्रस्त थे ,तभी लोगों के एक मसीहा वरदान स्वरूप ठिकाना पुरावस दिमनी में ड़मीदार क्षत्रिय परिवार में जन्म स्व मुन्ना सिंह तोमर का हुआ ।जब ग्वालियर आये तब चारों तरड़ गुंडो और अपराधियों ने अराजकता ,भय फैला रखा था।यह अन्याय अत्याचार एक स्वभिमानी क्षत्रिय को बर्दाश्त नहीं हुआ और अन्यायियों, अत्याचारियों के विरुद्ध झंडा बुलंद किया। माहौल ऐसा हो गया था कि व्यापारी, कर्मचारी, गरीबों को टैक्स देना पड़ता था, किसी ने घर बनाने के लिये जमीन खरीदकर भवन निर्माण करना चाहा क्षेत्रीय गुंडे कब्जा जमा लेते थे, घर किसी का बन रहा हो छत गुंडो द्वारा डाला जाता था। सभी के लिये न्याय का केन्द्र बना तोमर बिल्डिंग जहाँ से कोई खाली हाथ नहीं जाता था। मुन्ना सिंह तोमर न्याय का प्रतीक बन

चुके थे। निःस्वार्थ सेवा को अपना जीवन समर्पित करने वाले मुन्ना सिंह जी के विरुद्ध षडयंत्र रचे जाने लगे सामना करने की किसी की हिम्मत नहीं थी परन्तु वीर, बहादुर मुन्ना सिंह तोमर जी को छल से हमसे छीन लिया। अत्यधिक बहादुरी,दयालुता के प्रतीक स्व ठाकुर मुन्ना सिंह तोमर जी ने किसी को खाली हाथ नहीं लौटाया, उन्होंने लोगों स्वभिमान से जीना सिखाया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित जन हिमांशु सोनी राहुल चौरसिया विपिन बाथम निर्वेद सविता रौनक सोनी राम सिया जाटव रघुवीर प्रजापति जय दयाल बाथम सुनील राठौर सुनील गुप्ता सहित कई गणमान्य जन एवं समाज सेवी उपस्थित रहे।

बिना डिग्री व लाइसेंस के क्लीनिक चलाने पर दो प्राइवेट डाक्टर पर एफआइआर दर्ज

श्योपुर। बिना लाइसेंस के क्लीनिक का संचालन करने पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने दो झोलाछाप डाक्टर के खिलाफ कराहल थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। सीएमएचओ डा. बीएल यादव ने कहा कि कई अन्य डाक्टरों के दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। विभाग की कार्रवाई के बाद खलबली मची हुई है।सीएमएचओ डा. बीएल यादव के मुताबिक, कुछ दिन पहले कराहल क्षेत्र में एक शिकायत मिली थी। जिसमें बताया गया था कि कस्बे में बिना लाइसेंस के एक क्लीनिक चलाया जा रहा है। जिसके बाद रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लीनिक पर छापा कार्रवाई की थी। जहां मैन बाजार में गौतम पुत्र गुना सिंधू निवासी एलापाथिक क्लीनिक गौतम विश्वास मैन बाजार कराहल में अवैध रूप से बिना डिग्री एवं बिना पंजीयन के एलोपैथिक क्लीनिक का संचालन करते पाया गया। इसी तरह रविंद्र पुत्र पीआर त्यागी निवासी कमलिया के खिलाफ सीएमएचओ डा. बीएल यादव ने कार्रवाई के बाद कराहल थाना पुलिस में मामले के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

अनियंत्रित होकर ट्रक पलटने से एक की मौत, चालक पर एफआइआर दर्ज

गोरस- मुरैना हाइवे पर सिरोनी हनुमान मंदिर के पास हुई घटना

श्योपुर । गोरस- मुरैना हाइवे पर हनुमान मंदिर के पास से एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में क्लीनर की मौत हो गई। हादसा बीती शाम को हुआ है। बरगवां थाना पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ट्रक क्र. आरजे 11 जीबी 1367 श्योपुर से मुरैना की तरफ जा रहा था, तभी सिरोनी हनुमान मंदिर के पास से श्यामपुर रोड पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे जाटौली थाना टेंटरा जिला मुरैना निवासी 50 वर्षीय हेमराज पुत्र बाबूलाल रावत की मौत हो गई। पुलिस ने फरियादी रामनारायण पुत्र बाबूलाल रावत की शिकायत पर ट्रक चालक वारेलाल रावत निवासी उपेहरा जिला मुरैना की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत से निकलने की बात पर महिला को पीटा, मामला दर्ज

श्योपुर । बड़ौदा थाना क्षेत्र के फखदिया गांव में खेत से निकलने की बात पर एक व्यक्ति ने महिला के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामप्रसादी बाई मीणा व विजय सिंह मीणा के खेत पास-पास हैं। खेत से निकलने की बात पर रामप्रसादी बाई व विजय सिंह मीणा के बीच खेत से निकलने की बात पर विवाद हो गया है। विवाद में विजयसिंह मीणा ने गाली-गलौज करते रामप्रसादी बाई की मारपीट कर दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने तीन लोगों से पकड़ी 7200 रुपये की अवैध

श्योपुर ब्यूरो। विभिन्न थानों की पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 7200 रुपये की अवैध शराब जब्त की है। पहली कार्रवाई के दौरान मगरदा थाना पुलिस ने श्रीराम पुत्र भूरा आदिवासी निवासी दुबेश को कारी नदी के पास से शराब ले जाते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 25 बोतल शराब की जब्त की है, जिसकी कीमत 2500 रुपये है। इस तरह बड़ौदा थाना पुलिस ने हेमराज पुत्र भूरालाल बैरवा निवासी बगड़ी को बिच्छू बावड़ी तिराहे से 27 बोतल अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है, जिसकी कीमत 2700 रुपये है। दूसरी कार्रवाई कनीराम पुत्र श्रीकिशन आदिवासी निवासी इन्द्रपुरा को इंद्रपुरा तिराहे से शराब ले जाते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 2 हजार रुपये कीमत की 20 बोतल शराब जब्त की है। पुलिस ने उक्त आरोपितो के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सट्टा खिलाते दो गिरफ्तार

श्योपुरो। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने सट्टा खिलाते दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 270 रुपये नगदी जब्त किए हैं। पहली कार्रवाई में पुलिस ने सोनू पुत्र मूलचंद बंजारा निवासी किनपुरा को रेलवे फाटक के पास से सट्टा खिलाते पकड़ा है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से सट्टे की पर्ची, पैन, 110 रुपये नगदी जब्त किए हैं। इसी तरह दूसरी कार्रवाई में राजू पुत्र इंद्र बंजारा निवासी दीपचंद का डेरा को आंगनबाड़ी केंद्र के पास से महुआमार पर सट्टा खिलाते पकड़ा। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके सट्टे की पर्ची, पैन व 160 रुपये नगदी जब्त किए हैं। पुलिस ने उक्त आरोपितो के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

प्रदेश में आत्म-निर्भर होते गाँव-सशक्त होती महिलाएँ: महेन्द्र सिंह सिसोदिया

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की ग्राम स्वराज की अवधारणा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में मूर्त रूप ले रही है। प्रदेश के गाँव आत्म-निर्भर स्वायत्त इकाई के रूप में विकसित हो रहे हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इनमें से अनेक की कमान महिलाओं के हाथ में है। प्रदेश में महिलाओं के 4 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह हैं, जिनसे जुड़े 45 लाख से अधिक परिवार विभिन्न गतिविधियों से न केवल अपने परिवारों को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बना रहे हैं, अपितु महिलाएँ भी सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। प्रदेश की 23 हजार 12 ग्राम पंचायत, 313 जनपद पंचायत और 52 जिला पंचायत के लिये हुए निर्वाचन में 630 सरपंच, 157 जनपद सदस्य और एक जिला पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए थे, जिनमें 415 महिला सरपंच हैं। विगत वर्षों में पंचायतों द्वारा स्वयं की आय के कर एवं गैर-कर राजस्व के स्रोतों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए स्वयं की आय के रूप में लगभग 189 करोड़ रूपये अर्जित किये गये हैं। साथ ही पंचायतें नवाचार में भी आगे हैं। ÷सूर्य शक्ति अभियान'' में पंचायतों की विद्युत खपत को सौर ऊर्जा पर अंतरित किया जा रहा है। इससे पंचायतें अतिरिक्त वित्तीय संसाधन भी जुटा सकेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा प्रदेश के लिये तैयार किये गये आत्म-निर्भरता के रोडमेप पर कार्य करते हुए हमारा विभाग (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) ग्रामीण क्षेत्रों को आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में तेज गति से काम कर रहा है। ग्रामों में न केवल अधो-संरचना विकास, बुनियादी सुविधाएँ, रोजगार, स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर कार्य हो रहे हैं, अपितु प्रत्येक परिवार को पक्का आवास भी सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार दिलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में इस वित्त वर्ष में 152 करोड़ रूपये की लागत से प्रदेश में 125 अमृत सरोवर बनाये जा रहे हैं। प्रदेश में महात्मा गाँधी नरेगा योजना में इस वित्त वर्ष में 36 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार दिलाया गया और 14 करोड़ 93 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित हुए। अनुसूचित जनजाति के परिवारों को रोजगार दिलाने में हमारा प्रदेश देश में अग्रणी है। प्रदेश में इस वित्त वर्ष में अनुसूचित जनजाति के 12 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार दिलाया गया और 4 करोड़ 79 लाख मानव दिवस सृजित हुए। इसी योजना से कैच द रेन अभियान में ग्रामों में 2 लाख 70 हजार जल-संरचनाओं का निर्माण भी किया गया है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में प्रदेश में 52 जिलों के 47 हजार 22 गाँव में कार्य किया जा रहा है। मिशन में अब तक 4 लाख 3 हजार 172 स्व-सहायता समूह का गठन कर 45 लाख 5 हजार परिवार को जोड़ा गया है। इन्हें बैंकों से 4 हजार 408 करोड़ रूपये का ऋण वितरित किया गया है। मिशन के माध्यम से इन परिवारों के 529 करोड़ 43 लाख रूपये के उत्पादों का विक्रय किया गया है। स्व-रोजगार कार्यक्रमों में 73 हजार ग्रामीण युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित कर रोजगार मेलों से रोजगार दिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना में 3 लाख 81 हजार ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के प्रथम चरण में हमारे गाँवों द्वारा निर्धारित अवधि के एक वर्ष पूर्व 2 अक्टूबर, 2018 को ही खुले में शौच मुक्ति (ओडीएफ) का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में अब तक 3 लाख 41 हजार व्यक्तिगत शौचालय और 16 हजार 274 स्वच्छता परिसर बनाये गये हैं। साथ ही 15 हजार 164 ग्राम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और 15 हजार 919 गाँव में तरल अपशिष्ट प्रबंधन किया गया है। प्रदेश के 15 हजार 525 ग्राम को ओडीएफ प्लस बनाया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा 2 अक्टूबर, 2022 को हमारे प्रदेश को विभिन्न श्रेणियों में अग्रणी राज्य का पुरस्कार दिया गया है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्यमंत्री श्री चौहान के ÷सबके लिये पक्का आवास के संकल्प को पूरा करने के लिये तेज गति से कार्य हो रहा है। प्रतिमाह लगभग एक लाख प्रधानमंत्री आवास बनाये जा रहे हैं। योजना में अब तक प्रदेश में 38 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें 29 लाख आवास पूरे कर लिये गये हैं। इन पर 35 हजार करोड़ रूपये से अधिक की लागत आई है। इस वर्ष 6 माह में ही लगभग 4 लाख 51 हजार आवास पूर्ण किये गये और धनतेरस के पवित्र अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हमारे ग्रामीण हितग्राहियों को वर्चुअल माध्यम से गृह-प्रवेश कराया गया। ग्रामीण अधो-संरचना विकास के कार्य भी प्रदेश में निरंतर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ग्राम-सड़क योजना में 8 हजार 942 गाँव को जोड़ने के लिये 20 हजार 89 किलोमीटर लम्बाई की 8 हजार 714 सड़क स्वीकृत की गई हैं, जिनमें अभी तक 19 हजार 135 किलोमीटर की 8 हजार 292 सड़क बनाई जा चुकी हैं। प्रदेश के 8 हजार 456 गाँव को बारहमासी एकल सम्पर्कता से जोड़ा जा चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के क्रियान्वयन में गत 3 वर्ष में प्रदेश में 9 हजार 127 किलोमीटर सड़क का निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जाकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थापना दिवस कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के निर्देश दिए

लाल परेड ग्राउण्ड पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियाँ हुईं पूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस समारोह पर सभी कार्यक्रमों को सुचारू रूप से किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज भोपाल जिला प्रशासन, संस्कृति और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया गया कि मुख्य समारोह सहित अन्य गतिविधियों के लिए आवश्यक तैयारियाँ पूरी हो गई हैं।

मुख्यमंत्री निवास पर हुई आकर्षक विद्युत सज्जा-मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री निवास में विशेष विद्युत सज्जा की गई। मुख्यमंत्री निवास के मुख्य भवन सहित अन्य कार्यालय कक्षों को भी सजाया गया। उद्यानों और बाहरी द्वार एवं भवन के भीतरी मार्गों पर भी आकर्षक विद्युत सज्जा की गई।

लाल परेड ग्राउंड पर होगी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ-प्रदेश के स्थापना दिवस पर मुख्य कार्यक्रम लाल परेड ग्राउंड भोपाल में होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान सहित जन-प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सुप्रसिद्ध तीन संगीतकार शंकर, एहसान और लॉय समूह द्वारा बैंड प्रस्तुति और जानीमानी कोरियोग्राफर सुश्री मैत्रेयी पहा?ी का साथी कलाकारों के साथ नृत्य नाटिका ÷शिव महात्म्य÷ का कार्यक्रम देखने का राजधानी के नागरिकों में उत्साह निर्मित हुआ है।

महेंद्र पटेल जनपद सदस्य एवं रंजीत सिंह तोमर सीईओ ने सरपंचों को प्रदाय किए प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

ग्राम पंचायत सरपंचों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर द्वितीय चरण संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जनपद पंचायत लांजी के सभा कक्ष में नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत सरपंचों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दो चरणों में आयोजित गया था। जिसमें प्रथम चरण का शिविर 9 नवंबर से 11 नवंबर तक संपन्न हुआ था। जिसमें सरपंचो को प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी मप्र के द्वारा नव निर्वाचित ग्राम पंचायत सरपंच के आधार भुत उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा इसी संस्था के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया।

इसी कड़ी में द्वितीय चरण का शिविर 14 नवंबर से 16 नवंबर तक आयोजित हुआ। प्रशिक्षण प्रात:10:30 बजें से अपराहन 4:30 बजे तक आयोजित किया गया जिसमे जिसके तहत 14 नवंबर से 16 नवंबर तक जनपद पंचायत लांजी के सभा गृह में 44 पंचायतो के सरपंचो को प्रशिक्षण दिया गया है। सरपंचो को प्रशिक्षण सीईओ रंजीत सिंह तोमर, राजेन्द्र अवसरे मास्टर रिसोर्स पर्सन,मास्टर ट्रेनर्स व्ही एस बिसेन, महेन्द्र सिरामे द्वारा सरपंचो को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण संपन्न होने पर प्रमाणपत्र वितरण के दौरान जनपद सदस्य महेंद्र पटेल, दिनेश लाड़े, रेवाजी करहाटकर, रिषि पटेल दशरिया सहित अन्य जनपद सदस्यों एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों

कर्मचारियों के हस्ते सरपंचो ने प्रमाण पत्र प्राप्त किये। द्वितीय चरण में इन पंचायत के सरपंच रहें शामिल द्वितीय चरण में जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत 44 ग्राम पंचायत के सरपंच 16 नवंबर से 18 नवंबर तक प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजें से अपराह्न 4:30 बजे तक प्रशिक्षण में शामिल होंगे। जिनमें ग्राम पंचायत रमपुरा, पालडोंगरी, कटंगी, सहेकी, फोफसा कालीमाटी, थानेगांव, खाण्डाफरी, देवलगांव, दहेगांव, ब?गांव म, बापड़ी, परसोड़ी,कुल्पा, परसवाड़ा, कारंजा, सिंगोला, मिरिया, घंसा, बोथली, मनेरी, भुरसाडोंगरी, बिरनपुर, सांवरीखुर्द, वारी, बम्हनवा?ा, चिखली, चिचोली, बहेला, डोंगरगांव, ओटेकसा, अमे?ा (ब), रिसेवा?ा, अँधियाटोला पंचायत के सरपंच शामिल रहें।

प्रशिक्षण मे दी गई जानकारी–प्रशिक्षण के अंतिम दिन उपस्थित सरपंचो को प्रशिक्षण विषयो का पुनरावलोकन एवं चर्चा के उपरांत व्यक्तिव विकास विभिन्न विभागो की योजनाऐं नेतृत्व, टीन बिल्डिंग, अभिप्रेरणा, संप्रेषण, सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जनकल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रमुख योजनाऐं, जेन्डर संवेदनशीलता, महिला एवं बाल विकास से संबधित प्रमुख योजनाऐं एवं कानूनी प्रावधान, किशोर न्याय -बालको की देख रेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 के प्रमुख प्रावधान बाल विवाह रोकथाम हेतु प्रावधान, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, की योजनाऐ,संबल योजना, सुचना का अधिकार 2005 लोक सेवा गारंटी अधिनियम, सीटिजन चार्टस सहित अन्य योजनाओ के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

पुलिस कंट्रोल रूम परिसर से सांप को पकड़ा वन संरक्षक हर्ष कुमार तिवारी ने किया रेस्क्यू

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
जिला टीकमगढ़ संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ । पुलिस कंट्रोल रूम टीकमगढ़ से 19 नवंबर 2022 शनिवार के दिन एक सांप को पकड़ा गया है जिसकी सूचना वन विभाग की टीम को दी गई थी जहां मौके पर वन विभाग के वन संरक्षक हर्ष कुमार तिवारी पहुंचे और उन्होंने इस सांप को रेस्क्यू किया हर्ष कुमार तिवारी का कहना है कि यह सांप धामन है जिसे बुंदेलखंड में धमना साँप कहा जाता है यह विषहीन होता है , यह साँप हमारा मित्र है यह चूहे खाकर हमारी बहुत बड़ी मदद करता है , इसके बारे में अंधविश्वास है कि यह पूँछ से काटता है जोकि सरासर गलत है हर्ष कुमार तिवारी ने कहा कि मैंने इसे पूंछ की ओर से ही पकड़ा है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वन संरक्षक हर्ष कुमार तिवारी ने इस सांप को पकड़ा इस दौरान कुछ पुलिस टीम भी मौजूद रही

माध्यमिक शाला लखेरी का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
जिला टीकमगढ़ संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

बल्देवढ। बल्देवगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम लखेरी माध्यमिक शाला का तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद मिश्रा ने किया निरीक्षण उन्होंने मध्यान भोजन के बारे में जानकारी ली एवं टीचरों एवं बच्चों से पढ़ाई के बारे में पूछा सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त रही प्रधान अध्यापिका रचना पायक ने बताया चार-पांच दिनों से हैंडपंप खराब है बच्चों को पानी पीने के लिए काफी एवं बीएलओदिक्कत होती है घर से पानी लाना पड़ता है तहसीलदार ने सरपंच से बात कर जल्दी से जल्दी हेडपंप सुधारने के लिए कहा एवं बीएलओ से बात कर जानकारी ली।

घोड़े पर सवार होकर प्रतिदिन स्कूल जाता है बालक ललित कुमार

हमेश कटरे रिपोर्टर बालाघाट

आज के इस आधुनिक कलयुग में छात्र-छात्राएं स्कूल आने जाने के लिए साइकिल, मोटरसाइकिल, स्कूटी आदि का उपयोग करते हैं। लेकिन बालाघाट जिले की परसवाड़ा तहसील के ग्राम खैरलांजी का कक्षा छठवीं का छात्र ललित कुमार कोपे स्कूल आने जाने के लिए पुरातन समय के वाहन घोड़े का उपयोग करता है। गरीब परिवार का ललित शासकीय माध्यमिक शाला खैरलांजी में कक्षा छठवीं का छात्र है और वह अपने नाना नानी के घर रह कर पढ़ाई कर रहा है। उसके नाना नानी का घर खेत में होने के कारण उसके स्कूल की दूरी 4 किलोमीटर पड़ती है । पढ़ाई करने के लिए हर दिन 4 किलोमीटर जाना और वापस 4 किलोमीटर आना छात्र ललित के लिए कठिनाइयों भरा सफर होता था ।

आबादी भूमि का ड्रोन कैमरे से स्वामित्व सर्वे जारी

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पीएम स्वामित्व योजना के अंतर्गत ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर उम्मीदवारों की सभी समस्याओं की जानकारी का उल्लेख होगा और साथ ही इस पोर्टल पर ऑनलाइन भूमि से संबंधित सारी जानकारी देख सकते हैं। योजना के तहत उम्मीदवारों को अपना पूरा मालिकाना हक मिलेगा। और प्रधानमंत्री स्वामित्व कार्ड भी दिए जायेंगे। जिससे की भ्र्ष्टाचार, फर्जीवा? कार्य में कमी आएगी और जिसकी भूमि होगी उसपर उसी का हक होगा। ऐसे में यदि आपकी भूमि पर कोई जबरन मालिकाना हक जताता है तो उसका विवरण पहले से ही सरकार के पास मौजूद होगा। और इस हेतु ड्रोन कैमरे से सर्वे कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर बालाघाट के आदेश में दिए निर्देशानुसार तहसील लांजी अंतर्गत ग्रामीण आबादी सर्वे की अधिसूचना जारी होने के उपरांत 19 नवम्बर को ग्राम कलपाथरी, सोगलपुर, सुनार ककोडी एवं

ईटोरा में ग्रामीण आबादी भूमि का ड्रोन सर्वे का कार्य सर्वे ऑफ इंडिया की ओर से उपस्थित कर्मचारी ज्ञानेन्द्र कुमार यादव ड्रोन पायलट एवं पवन शर्मा ड्रोन टीम के द्वारा किया गया। मौके पर सर्वे के दौरान ग्राम कलपाथरी हल्का पटवारी खुशील मोहारे, ग्राम सुनार ककोड़ी पटवारी संदीप पांडे, युवराज पटले सभापति, गभा जाग्रति एड़े पुर्व जनपद सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप कटरे, दीपक बिसेन, उमेंदगिरी गोस्वामी, सेवानिवृत्त मडामे सर, ग्राम रक्षक क्रष्ण कुमार मडामे, सर्वे भूमि पर चुना लाइन की मार्किंग का कार्य करने वाले कलपाथरी से अक्षय पारधी, सुकाजी एड़े, तेजलाल एड़े, सुभम एड़े एवं ग्राम के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। स्वामित्व योजना अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि का ड्रोन सर्वे के माध्यम से अलग रिकॉर्ड तैयार किया जाना है एवं उक्त आबादी भूमि में निवासरत सभी हितग्राहियों, ग्रामीणों का ड्रोन सर्वे के उपरांत निवास स्थान का अलग अभिलेख तैयार किया जाना है। जिससे भविष्य में अभिलेख तैयार होने के उपरांत आबादी भूमि में निवासरत हितग्राहियों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

सीरवी की अंतिम विदाई में हजारों लोग पहुंचे

पुष्पांजलि टुडे पाली राजस्थान नरेश कुमार सिरवी

पाली देसूरी। पाली -जिले के देसूरी के सहकारी सोसायटी के अध्यक्ष पूर्व सरपंच समाजसेवी भामाशाह व सीरवी समाज के अखिल भारतीय पूर्व अध्यक्ष नैनाराम चौधरी को आज हजारो ग्रामीणों ने देसूरी में सुपुर्दे खाक किया।इससे पूर्व दिवंगत चौधरी के निवास स्थान पर हजारो की तादाद में जनप्रतिनिधियों ग्रामवासियों समजसेवियी भामाशाहों समेत सीरवी समाज व सर्व समाज के हजारों ग्रामीण इकट्ठा हुए एव उनकी अंतिम यात्रा में शरीक हुए।अंतिम यात्रा के दौरान हर किसी की आखों में आंसू थे सभी ने नम आंखों से चौधरी को अंतिम विदाई दी इस अवसर पर बाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व ऊर्जा मंत्री पुष्पेन्द्रसिंह राणावत के दोनों सचिव अंतिम यात्रा में शरीक हुए राणावत गुजरात मे चुनाव होने के कारण नही आ सके दिवंगत चौधरी के निधन से देसूरी कस्बे समेत विभिन मन्दिर ट्रस्टों समेत सीरवी समाज को भारी क्षति पहुची है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का समापन होते ही, भाजपा समाप्ति की ओर चली जाएगीः फूल सिंह बरैया

गोहद। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक फूल सिंह बरैया गोहद स्थित केदार सिंह कौशल के निवास पर अल्पप्रवास पर पहुंचे। इस दौरान बरैया जी ने कार्यकर्ताओं के साथ डोर टू डोर चर्चा की, चर्चा के पश्चात उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए ऐसा घोषणा पत्र तैयार किया जा रहा है जिसमें हर वर्ग के लिए फ्री शिक्षा, फ्री इलाज, रोजगार की गारंटी, किसानों के लिए लागत मूल्य से अधिक व उच्चतम समर्थन मूल्य देना, खेती को लाभ का धंधा बनाना, साफ पीने के पानी की व्यवस्था करना, आमजन को सस्ता खाना उपलब्ध कराना जैसी अनेक योजनाओं को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मैं रोजाना 2 लाख से अधिक लोग पैदल चल रहे हैं। इस भारत जोड़ो यात्रा से भाजपा के हाथ पैर फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस यात्रा के समापन के साथ ही भारतीय जनता पार्टी भी समापन की ओर चली जाएगी। हमें ऐसा प्रोग्राम बनाना है कि आगे आने वाले 50 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी रहे और लोगों की सेवा करती रहे। इस दौरान पार्टी के रामशेष बघेल, मुन्ना लाल भटेले, देवी सिंह तोमर, प्रवेश भटेले, विष्णु शर्मा, हसीन खान भारैया, महाराज सिंह तोमर, केदार सिंह कौशल, कमल प्रताप सिंह उर्फ मदारी तोमर, संग्राम सिंह तोमर, प्रशांत सोलंकी, कमल सिंह, बदन सिंह, राजवीर सिंह, संजय सिंह, भगवान सिंह, एडवोकेट रघुनाथ त्रिवेदिया, एडवोकेट हरनारायण माहोर, मलखान सिंह माहौर, द्वारका प्रसाद खन्ना, देवेंद्र निगम, शिवकुमार जर्मन, जगमोहन, गजराज सिंह, डॉक्टर कमलेश, महावीर सिंह, जगन्नाथ प्रसाद, नाथूराम अटल, राजेंद्र प्रसाद गर्ग, राजेंद्र मौर्य, विशंभर सिंह, बहादुर फौजी, बीपी गुर्जर, देवेंद्र मौर्य, हाकिम सिंह, हरिमोहन, राजू जाटव, विजय बरैया सहित 500 से अधिक कार्यकर्ता एवं नेता गढ प्रस्तुत रहे।

सेवा निवृत अधिकारी और कर्मचारियों की हुंकार, अब बदलेंगे शिवराज की सरकार

महेन्द्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। के सी शर्मा, जिला महामंत्री से प्राप्त जानकारी अनुसार मध्यप्रदेश सेवा निवृत अधिकारी/कर्मचारी महासंघ ग्वालियर की आज शिवाजी उद्यान में एक वृहत बैठक आयोजित की गई 7 जिसमें मध्यप्रदेश सरकार के उपस्थित सेवानिवृत अधिकारी/कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियो की न्यायोचित मांगों के प्रति मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह सरकार की उदासीन और कर्मचारी विरोधी कारगुजारियों और नीतियों की जमकर आलोचना की तथा उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों ने एक स्वर में मध्यप्रदेश में अगले साल आयोजित होने वाले विधानसभा के आम चुनावों में शिवराज सिंह की सरकार को उखाड़ फेंकने का निर्णय लिया। इस बैठक को कर्मचारी कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त सर्वश्री बसंत पुरोहित, राज्य कर्मचारी संघ के पवन भटनागर, महासंघ के सचिव केसी शर्मा, अध्यक्ष अरुण शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, सहित अनेक अधिकारी/कर्मचारियों ने संबोधित किया और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि एक चरणबद्ध आंदोलन मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार की जनविरोधी एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरुद्ध प्रारम्भ किया जाये और अगले साल आयोजित आम चुनावों मे शिवराज सिंह सरकार का जमकर विरोध किया जाय।

आज आयोजित होने वाली बैठक में मध्यप्रदेश शासन से सेवानिवृत्त साठ से ज्यादा अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे। बैठक के मुख्य अतिथि महासंघ के प्रांतीय संरक्षक श्री बसंत पुरोहित, भारतीय मजदूर संघ ग्वालियर के विभाग प्रमुख श्री भूदयाल जी पाठक, महासंघ के जिलाध्यक्ष अरूण शर्मा, पवन भटनागर, उपाध्यक्ष द्वय दिलीप मिश्रा, विवेक दीक्षित, पी के तिवारी, श्री राम गोयल, आनन्द गोस्वामी, शिवनारायण दुवे,चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक सक्सैना, राजेन्द्र जाजौरिया, दिनकर शर्मा, पुरूषोत्तम शर्मा, अमरसिंह चौहान अशोक भटनागर, योगेन्द्र सिंह भदोरिया, के पी उपाध्याय, रामसेवक श्रीवास्तव सहित पचास से ज्यादा सेवा निवृत अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे। बैठक का संचालन महासंघ के महामंत्री के. सी. शर्मा एवं आभार वरिष्ठ सदस्य एवं मार्ग दर्शक श्रीराम गोयल ने किया।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए अजा विभाग के ब्लॉक अध्यक्ष चंदू ठेकेदार

रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। शनिवार को भारत जोडो यात्रा सागर से कुरवाई होते हुए मेहलुआ चौराहा पहुंची, कुरवाई से मेहलुआ चौराहा तक की उपयात्रा में अजा विभाग के सिरोंज ब्लॉक अध्यक्ष चंदू ठेकेदार, अजा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार, जिलाध्यक्ष निशंक जैन और राजेश कटारिया के साथ कुरवाई पहुंच कर शामिल हुए, और मेहलुआ चौराहा तक आए, जहां यात्रा आज विश्राम करने बाद रविवार को भोपाल प्रस्थान करेगी।

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर चलाया स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ग्राम की सड़कों पर झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता अपनाने का संदेश

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

प्रतिवर्ष 19 नवंबर को विश्वभर में विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य है ऐसे लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जिनके पास आज के ज़माने में भी सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं है, और वैश्विक स्वच्छता संकट से निपटने के लिए कार्रवाई शुरू करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2013 में विश्व शौचालय दिवस को एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र दिवस घोषित किया था। और इसी कड़ी में ग्राम पंचायत सावरी कला में पंचायत टीम, नवांकुर संस्था, गुणवत्ता युवा जनकल्याण समिति सावरीकला के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में समुचे ग्राम की सड़कों पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही सभी को खुले में शौच करने से मना किया गया तथा शौच के लिए शौचालय

का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर ग्राम सावरी कला के सरपंच ओंकार बाबा रहांगडाले, स्वच्छताग्राही रविप्रकाश गौतम, आशा कार्यकर्ता यशवंती कुम्हारे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गिरजा ठाकरे, पंचायत के मेट ओंमकार पटले, आरती हरिनखेडे एवं नवांकुर संस्था - गुणवंता युवा जनकल्याण समिति सावरीकला के अध्यक्ष मुनेश पटेल, उपाध्यक्ष धनसिंह गौतम, सचिव रविप्रकाश गौतम, सहसचिव प्रदीप ठाकरे, कोषाध्यक्ष श्यामचरण पारधी, सदस्य सुभाष गौतम, पवन बघेल, ग्राम रक्षक दिलीप डोंगरे एवं ग्राम के पुरुष महिला गणमान्य लोगों ने मिलकर स्वच्छता रैली निकालकर अपने ग्राम को स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया साथ ही ग्रामीण लोगों को नशा मुक्त ग्राम बनाने के लिए समझाइश दी गई।

संपादकीय

भारत से उम्मीद

बैठक के बाद सभी देशों की सहमति से जो साझा बयान जारी हुआ, उसमें इस प्रतिबद्धता पर जोर यही रेखांकित करता है कि दुनिया अब और युद्ध नहीं चाहती। महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि आने वाले वक्त में इस महाप्रयास में भारत को अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। इसलिए भी कि अब समूह बीस की अध्यक्षता भारत को करनी है और अगली शिखर बैठक दिल्ली में होगी। रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में देखें तो समूह बीस एक महत्त्वपूर्ण संगठन इसलिए भी है कि इसमें वे विकसित और विकासशील देश शामिल हैं जो रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर बंटे हुए हैं। ऐसे में यह समूह युद्ध रुकवाने की मुहिम में कितना सफल हो पाता है, यह वक्त ही बताएगा। यूक्रेन पर हमला करने वाला रूस भी इस समूह का सदस्य है। बाली की बैठक में जिस तरह से युद्ध का मुद्दा छाया रहा और रूस के रवैए की आलोचना हुई, उससे रूस की नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसे में युद्ध रुकवाने के लिए कौन कितने और कैसे प्रयास करेगा, यह बड़ा सवाल है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत का रुख शुरू से ही स्पष्ट है। भारत कहता ही रहा है कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से समस्या का हल खोजा जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बातचीत में साफ कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। उनके इस संदेश गूंज बाली शिखर बैठक में भी सुनाई देने का मतलब साफ है कि अब कोई भी जंग नहीं चाहता। दुनिया के परिणाम कितने भयावह होते हैं, यह सब देख ही रहे हैं। लगभग सभी देश किसी न किसी रूप में युद्ध की मार झेल रहे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें हिली पड़ी हैं। महंगाई से हर देश परेशान है। अर्थव्यवस्था में मंदी और महंगाई के साथ ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है, सो अलग। इसके अलावा इस युद्ध ने वैश्विक खाद्य संकट भी खड़ा कर दिया है। इसलिए अब उन देशों को युद्ध का कूटनीतिक समाधान निकालने पर ज्यादा तेजी से काम करना होगा जो इस मुद्दे पर खेमेबाजी में फंसे हैं और युद्ध के कारण पैदा हालात की मार झेलने को मजबूर हैं। ऐसा नहीं कि जंग खत्म नहीं हो सकती। अगर कुछ देश वैश्विक राजनीति में दबदबा बनाने के लिए अपने स्वार्थों को त्याग दें, तो समाधान का रास्ता निकलने में कोई बहुत वक्त नहीं लगने वाला। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत शुरू से ही तटस्थ रहा और अमेरिका व पश्चिमी देशों के तमाम दवाबों के बावजूद किसी खेमे में शामिल नहीं हुआ। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत इसी नीति पर चला। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों ने रूस और उससे तेल खरीदने वालों पर जिस तरह के प्रतिबंधों की बात की है, उसका भारत ने बाली सम्मेलन में भी कड़ा विरोध किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया के तमाम देश भारत को एक ऐसे नेता के रूप देख रहे हैं जो शांति और कूटनीति के जरिए मौजूदा युद्ध संकट से मुक्ति दिलवाने की दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकता है। लेकिन भारत अकेला तो यह नहीं कर सकता। इसके लिए सभी को साथ आना होगा।

राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी श्रीहरन

अदालत ने कहा है कि दोषियों का जेल में आचरण अच्छा था, उन्होंने किताब लिखी, समाज सेवा की और डिग्री भी हासिल की। मगर केंद्र सरकार ने इस फैसले को नैसर्गिक न्याय नहीं माना है। उसका कहना है कि इस मामले में फैसला सुनाते वक्त उसे पक्षकार नहीं बनाया गया। उसका पक्ष भी सुना जाना चाहिए था। केंद्र ने इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। हालांकि राजीव गांधी की हत्या के छह दोषियों को रिहा करने का प्रस्ताव तमिलनाडु मंत्रिमंडल ने चार साल पहले पारित कर राज्यपाल से इसके लिए अनुरोध किया था। दोषियों में से एक को मई में ही रिहा कर दिया गया था और तभी सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि बाकी दोषियों को भी इसी आधार पर रिहा किया जा सकता है। मगर इस मामले में केंद्र सरकार की आपत्ति और फैसले पर पुनर्विचार की अपील उचित है। हालांकि राजीव गांधी के परिजनों ने मानवीय सहानुभूति दिखाते हुए हत्या के दोषियों की रिहाई पर एक तरह से सहमति दे दी थी, मगर कांग्रेस पार्टी ने सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले का विरोध किया। केंद्र सरकार का तर्क वाजिब है कि याचिकाकर्ताओं की अपील में प्रक्रियात्मक कमी होने की वजह से केंद्र सरकार को पक्षकार नहीं बनाया जा सका, मगर पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के दोषियों की रिहाई से पहले उसका पक्ष सुना जाना चाहिए था। इस हत्या में शामिल लोगों ने बकायदा साजिश रच कर आतंकी

गतिविधि को अंजाम दिया था। उनमें से तीन श्रीलंका के नागरिक हैं। अगर इस तरह समय से पहले किसी आतंकी घटना में शामिल लोगों को रिहा कर दिया जाएगा, तो उससे पूरी दुनिया में गलत संदेश जाएगा। यह पूरी तरह से भारत सरकार की संप्रभु शक्तियों के अधीन आता है। केंद्र के तर्क को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। मगर जब करीब छह माह पहले सातवें दोषी को रिहा किया गया था, तभी केंद्र को यह याचिका दायर कर देनी चाहिए थी। देर से ही सही, इस मामले में अदालत से पुनर्विचार की अपेक्षा स्वाभाविक है।

सामान्य अपराध के मामलों में इसलिए अदालत का समय से पूर्व रिहा कर देने का फैसला उचित मान लिया जाता है कि उनमें दोषियों के फिर से अपराध की दुनिया में न लौटने और उनसे समाज को कोई खतरा न होने का तर्क सहज स्वीकार्य होता है। मगर राजीव गांधी की हत्या सामान्य अपराध नहीं, बल्कि एक देश के पूर्व प्रधानमंत्री की साजिश रच कर आतंकवादी समूह के लोगों द्वारा की गई थी। उनसे बेशक अब समाज को कोई खतरा न हो, पर इस रिहाई से दूसरे आतंकियों का मनोबल ब?ने से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है और दूसरे देशों के साथ लगातार इस मामले में सहयोग संबंधी समझौते करता रहा है। ऐसे में अगर उसी के एक प्रधानमंत्री की हत्या के दोषी आतंकवादियों को सजा पूरी होने से पहले ही रिहा कर दिया जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संदेश जाएगा। फिर दूसरे आपराधिक मामलों में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे लोग भी इसे नजीर मान कर अपनी रिहाई की याचिका लगाना शुरू कर देंगे।

महिला का मनोबल

इसके चलते महिला सैनिकों को खासकर युद्धक विमान उड़ाने का अवसर मिला और अब वे ऐसा कर पा रही हैं। इसी क्रम में बत्तीस सेवानिवृत्त अल्पावधि सेवा यानी शार्ट सर्विस कमीशन के तहत चयनित महिला अधिकारियों को पेंशन देने की सर्वोच्च न्यायालय की सिफारिश से निस्संदेह उनका मनोबल बड़ा है। सेना में दो तरह के अधिकारियों की भर्ती होती है। एक तो वे होते हैं, जो सेवानिवृत्ति की आयु तक सेवाएं देते हैं, दूसरे वे होते हैं, जो स्वेच्छा से अल्पावधि के लिए सेना में सेवा देने के लिए जाते हैं। अल्पावधि के लिए चयन और प्रशिक्षण आदि की प्रक्रिया लगभग वही होती है, जो स्थायी सेवाओं के लिए चुने जाने वाले अधिकारियों की होती है। मगर उनके वेतन और भत्तों से संबंधित नियम अलग होते हैं। हालांकि अल्पावधि के अधिकारियों को स्थायी सेवाओं में बहाली का भी प्रावधान होता है, पर इसका निर्धारण संबंधित प्राधिकार करता है। अल्पावधि सेवाओं से निवृत्त हुए अधिकारियों के लिए दूसरे सरकारी महकमों की नौकरियों में कुछ आरक्षण होता है, पर जो सेना से मुक्त होने के बाद कहीं और चयनित नहीं हो पाते या जाना ही नहीं चाहते, उनके सामने नियमित आय की समस्या पैदा हो जाती है। खासकर महिला सेनाधिकारियों के सामने यह समस्या अधिक जटिल हो जाती है, जब वे सेवामुक्त होकर कहीं और काम नहीं करतीं या कर पातीं। ऐसे में सेना से पेंशन उनके लिए बड़ा सहारा हो सकती है। इसी संबंध में अल्पावधि सेवा की बत्तीस महिला अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के सामने पेंशन और स्थायी सेवा में बहाली के लिए गुहार लगाई थी। हालांकि अदालत ने उनकी बहाली का आदेश तो नहीं दिया, पर सेना के अधिकारियों और सरकार से सिफारिश अवश्य की है कि उनकी योग्यता को ध्यान में रखते हुए पेंशन बहाल की जाए। जिस मानवीय कोण से अदालत ने सिफारिश की और वायुसेना की तारीफ की, उससे उम्मीद बनी है कि इन महिला अधिकारियों के पक्ष में सकारात्मक रुख अपनाया जाएगा। दरअसल, सेना के मामले में नागरिक अदालतें कोई फैसला देने से बचती हैं। इसलिए कि सेना की अपनी अदालत ही सैनिकों और अधिकारियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान में प्राप्त अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए इस मामले की सुनवाई की। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस समय भारतीय सेना को योग्य अधिकारियों की बहुत जरूरत है, मगर इस आधार पर नियम के अनुसार निवृत्त हुए अधिकारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया जा सकता। फिर भी अगर किसी अधिकारी में जज्बा है, वह योग्य भी है और अल्पावधि से स्थायी सेवा में जाना चाहता है, तो उसके प्रति कुछ लचीला रुख अपनाने में कोई हर्ज नहीं। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी बिंदु की तरफ इशारा किया है। फिर महिला अधिकारियों के मामले में मानवीय दृष्टि भी अपनाई जानी चाहिए। खासकर वायु सेना के अधिकारियों को तैयार करने में खासा वक्त और पैसा खर्च होता है। अगर अल्पावधि सेवा के लिए तैयार महिला अधिकारियों को सेवा विस्तार दिया जाता है, तो इससे दोनों की बचत होगी। अगर सेवा विस्तार संभव नहीं है, तो उनके भरण-पोषण के लिए नियमानुसार पेंशन की बहाली होनी ही चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला ऐसी अल्पावधि की अन्य महिला अधिकारियों के मामले में भी नजीर साबित होगा।

उम्मीद का अंतरिक्ष

स्काईरूट रॉकेटों की एक श्रृंखला विकसित कर रहा है, उन सभी का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है। भारत में उपग्रह प्रक्षेपण का शुल्क बाकी देशों की तुलना में काफी कम होने की वजह से अनेक देश अब यहीं से अपने उपग्रहों का प्रक्षेपण कराना उचित समझते हैं। इस मामले में एक नया कीर्तिमान रचा है, स्काईरूट नाम की एक निजी कंपनी ने पहली बार राकेट

प्रक्षेपित करके। यह पहला मौका है, जब कोई निजी कंपनी उपग्रह प्रक्षेपण के क्षेत्र में उतरी है। हालांकि भारत सरकार ने दो साल पहले ही निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए भी अंतरिक्ष अनुसंधान का क्षेत्र खोल दिया था, उसी के तहत विक्रम एस नाम का यह निजी कंपनी का राकेट तैयार किया गया। इस राकेट ने दो घरेलू और एक विदेशी कंपनी के उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने का बीड़ा उठाया। यह प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र के दिशा-निर्देशों के तहत ही किया गया। हालांकि जब अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में निजी कंपनियों के लिए छूट का प्रस्ताव पारित हुआ था, तब तरह-तरह के संदेह जाहिर किए गए थे। कई लोगों का मानना था कि इससे इसरो की गोपनीयता भंग होगी और यहां की तकनीक चोरी होने का खतरा बना रहेगा। मगर स्काईरूट के पहले राकेट प्रक्षेपण से वे तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित होती नजर आ रही हैं। दरअसल, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अभी असीम संभावनाएं हैं और अनेक वैज्ञानिक निजी स्तर पर बहुत कुछ करना चाहते हैं, मगर उन्हें इसरो और दूसरे देशों के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की तरफ से उचित मदद नहीं मिल पाती। अब ऐसे वैज्ञानिक अंतरिक्ष को अपने ढंग से खंगाल सकेंगे और नई संभावनाओं के मार्ग खोलने में मदद कर सकेंगे। जिन तीन कंपनियों के उपग्रह अभी छोड़े गए हैं, वे स्टार्ट-अप कंपनियां हैं और वे अंतरिक्ष में कचरा प्रबंधन जैसे कार्य करने को उत्सुक हैं। दरअसल, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सरकारी स्तर पर हो रहे कार्यों में कई तरह की वैधानिक जटिलताएं होती हैं, जिसके चलते उनमें अनावश्यक देर होती रहती है या फिर वैज्ञानिक कई परियोजनाओं पर आगे नहीं बड़ पाते। निजी क्षेत्र के अनुसंधान में ऐसी अड़चनें नहीं आतीं। इसलिए इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने से निस्संदेह अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में उल्लेखनीय काम हो सकेंगे। आज जिस तरह हर काम डिजिटल तकनीक पर निर्भर होता गया है, उसमें उपग्रहों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो गई है। इसलिए उपग्रह प्रक्षेपण का कारोबार ही काफी बड़ा होता गया है। फिर अंतरिक्ष के अनेक रहस्य अभी बहुत उलझे हुए हैं। अभी तक ज्यादातर जानकारियां सौरमंडल से ही जुड़ी हुई प्राप्त हो पाई हैं, जबकि इसके पार भी बड़ा संसार है। वहां तक पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे में अगर निजी कंपनियां अपने संसाधनों के जरिए इस दिशा में कुछ वैज्ञानिक योगदान देने और संभावनाओं के दोहन में मदद करती हैं, तो उन्हें प्रोत्साहन मिलना ही चाहिए। दुनिया में कुछ कंपनियां अब दूसरे ग्रहों और अंतरिक्ष की सैर की योजनाएं भी बनाने लगी हैं। अंतरिक्ष में पर्यटन का खाका तैयार है। इसलिए अगर भारत निजी कंपनियों को अंतरिक्ष में होड़ करने से रोकता, तो उसकी तरक्की में भी बाधा उपस्थित होती। इस लिहाज से इस पहले प्रक्षेपण ने उम्मीद का नया क्षितिज खोला है।

आठ अरब के पार

इस लिहाड़ से यह चिंता की बात जरूर है क्योंकि कुछ दशकों से बड़ती आबादी पर चिंता जताई जाती रही है। दशकों तक जनसंख्या नियंत्रण के उपायों पर चर्चा भी होती रही है। इस तरह जनसंख्या बड़ने के नए आंकड़े पर सोच-विचार जरूर होना चाहिए। लेकिन यहां गौर करने की बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में दुनिया में जन्मदर कम होते जाने का रुख है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण में निकल कर आया कि सन 1950 के बाद इस समय जन्मदर अपने सबसे कम स्तर पर है। यानी पिछले दशकों में जनसंख्या नियंत्रण के उपायों के कारगर रहने पर हम संतोष कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि फिर उम्मीद से ज्यादा आबादी किस कारण से बड़ रही है। इसका जवाब यह दिया जा रहा है कि दुनियाभर की सरकारों के अच्छे कामों से नागरिकों के जीने की औसत उम्र बड़ गई है। जनसंख्या बड़ोतरी का कारण अगर स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ना और जीवन स्तर बेहतर हो जाना हो तो हम अब किस आधार पर आबादी के नए आंकड़े पर अफसोस जता पाएंगे! इस बात से भी कोई इनकार नहीं कर सकता कि कई देशों की सरकारें अपने नागरिकों की न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने में बड़ी कठिनाई महसूस कर रही हैं। पानी और भोजन की कमी हो, या वाहनों से पैदा होने वाला प्रदूषण, ऐसी समस्याओं के लिए सबसे आसान तर्क बड़ती आबादी का ही दिया जाता है। लेकिन अगर विश्व में जन्मदर का लक्ष्य कमोबेश हासिल कर लिया गया हो तो अब समस्याओं के समाधान के लिए दूसरा और कौनसा तरीका हो सकता हैड़ दुनियाभर के विकास विशेषज्ञों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी न्यूनतम आकार की आबादी की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विकास का नया माडल खोजें। हालांकि कुछ विद्वानों को लग सकता है कि जनसंख्या घटोतरी के लिए जन्मदर को और नीचे लाया जा सकता है। लेकिन गौर करने की बात यह है कि कई देशों में विकास का चक्का घुमाने वाले युवकों की आबादी कम हो रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक एक स्तर से ज्यादा जन्मदर नहीं घटाई जा सकती। वरना भविष्य में युवा कम पड़ने लगेंगे। यानी आबादी का मामला इतना आसान नहीं है। जहां तक सिर्फ अपने देश की बात है तो बड़ती जनसंख्या के रुख में यह भी बताया गया है कि भारत की आबादी दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले चीन से भी ज्यादा होने को है। यह बात चैंकाने वाली इसलिए है कि यह अनुमान नहीं लगाया गया था कि ऐसी स्थिति इतनी जल्द आ जाएगी। हालांकि भारत जन्मदर को काबू करने का दावा कर रहा है। साथ ही जीने की औसत उम्र भी बड़ने की बात है। बेशक पृथ्वी पर इच्छाओं की पूर्ति के लिए संसाधन कम हैं, लेकिन मानव की बुनियादी जरूरतों के लिए संसाधन इतने भी कम नहीं हैं। जहां तक उपलब्धता का सवाल है तो प्रकृति की देन से हमारे पास पर्याप्त जल है। उचित प्रबंधन से हम उसे उपयोग के लायक बना लेंगे। हमारे पास पर्याप्त अनाज उत्पादन की सामर्थ्य भी है। हम मौजूदा प्रौद्योगिकी के सहारे ही दशकों तक भोजन के लिए निश्चिंत रह सकते हैं। इसलिए भविष्य के लिए हमें चिंता नहीं बल्कि चिंतन की जरूरत है।

सप्ताह भर चलना था, लेकिन नौवें महीने में चल रहा युद्ध

24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस का आक्रमण, जिसके बारे में कई विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि सात दिन के अंदर समाप्त हो जाएगा, अब नौवें महीने में चल रहा है। इस अप्रत्याशित परिणाम ने रूस के बारे में दो विरोधाभासी और प्रतिकूल सत्य प्रकट किए हैं ~ एक, इसने दिखाया है कि रूस देश की सेना हर किसी की कल्पना की तुलना में काफी कमजोर है; दूसरा, इसने दिखाया है कि रूस की अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक मजबूत है। यूक्रेन के उत्साही प्रतिरोध के सामने यह युद्ध मास्को के लिए एक दलदल बन गया है। अमेरिका और नाटो के अन्य भागीदार हथियारों, खुफिया और आर्थिक सहायता के साथ यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। जब रूसी सेना ने यूक्रेन की सीमा में घुसकर हमला बोला, तब उसका प्राथमिक लक्ष्य यूक्रेन में सत्ता परिवर्तन करना था, जैसा कि अमेरिका ने इराक में कभी किया था। साफ हो गया कि मनोबल और मशीनरी, दोनों में रूस को अभी मीलों दूर जाना है। इसका प्रमाण खुद पुतिन के शब्दों और कार्यों से मिलता है। उन्होंने आरक्षित बलों को भी युद्ध के लिए जुटाने का आदेश दिया। रूस के हथियारों का विकास और सुधार करने का आह्वान किया। एक और धारणा विशेष रूप से पश्चिमी दुनिया में युद्ध के शुरुआती दिनों में यह थी कि रूसी अर्थव्यवस्था कठोर पश्चिमी प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। अमेरिका और नाटो देशों ने तमाम उपाय किए, लेकिन रूस को अलग-थलग नहीं कर पाए। हालांकि, शुरुआती महीनों में दिए जा रहे अधिकांश संकेत प्रतिकूल थे। संकेत थे कि रूसी अर्थव्यवस्था में धमाके हो रहे हैं। बेशक, रूस का सकल घरेलू उत्पाद गिरावट पर है, लेकिन

रूसी अर्थव्यवस्था अभी भी अपने पैरों पर खड़ी है। इसके लिए रूस को अपने विशाल ऊर्जा भंडार, मुख्य रूप से हाइड्रोकार्बन, साथ ही, अपने मित्र और पड़ोसी चीन का आभार जताना होगा। द इकोनॉमिस्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की एक नवीनतम रिपोर्ट के आधार पर प्रतिबंधों का रूसी तेल उत्पादन पर सीमित प्रभाव पड़ा है। इस मामले में भी प्रतिबंधों को बेअसर करने में चीन से मिली मदद महत्वपूर्ण है। युद्ध की शुरुआत के बाद से चीन-रूस व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, मुख्य रूप से रूसी तेल और कोयले की चीनी खरीद के बल पर ऐसा हुआ है। चीनी कंपनियां पश्चिमी ब्रांडों द्वारा रूस में छोड़ी गई जगह को भरने के लिए होड़ कर रही हैं। जब रूस की सैन्य शक्ति और उसकी अर्थव्यवस्था, के संबंध में अनुमान गलत था, तब युद्ध के बारे में अनेक भविष्यवाणियां वास्तविकता बन गई हैं। जैसा कि बहुतों को आशंका थी, युद्ध ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से यूरोप में सबसे बड़ा शरणार्थी संकट पैदा कर दिया है। युद्ध की शुरुआत के बाद से 14.9 मिलियन यूक्रेनी अपने देश से बाहर चले गए हैं। आधे यूक्रेनी बच्चे अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं। युद्ध का एक और नतीजा यह है कि आपूर्ति-श्रृंखलाएं टूट गई हैं। इससे अनेक देशों में खाद्य संकट पैदा हुआ है और अमेरिका व यूरोप में महंगाई और ऊर्जा की बड़ती कीमतों ने स्थितियों को बदतर बना दिया है। गेहूं और जौ का अभाव हुआ है, इनकी कीमतों में नाटकीय वृद्धि हुई है, जिससे खासतौर पर अफ्रीका में गरीबी बड़ी है। युद्ध का एक और अनुमानित परिणाम तेल की कीमत है, जो पूरे वर्ष ऊपर रही है। अमेरिका में गैस की कीमत एक संवेदनशील मुद्दा होने के कारण राष्ट्रपति जो बाइडन को कीमत कम करने के प्रयास में देश के सामरिक पेट्रोलियम भंडार से लाखों बैरल तेल जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यूक्रेन में पुतिन के दुस्साहस के चलते हजारों यूक्रेन वासी और रूसियों की मौत हुई है और दोनों देशों में लाखों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। युद्ध ने अथाह दर्द दिया है और पूरी दुनिया इसकी कीमत चुका रही है। एक उम्मीद है, रूसी नेता युद्ध को वैसे ही खत्म करदेंगे, जैसे उन्होंने इसे शुरू किया था, एकतरफा। हालांकि, उम्मीद कोई रणनीति नहीं है। इस उम्मीद को साकार करने के लिए दुनिया भर में यूक्रेन और उसके समर्थकों को अपनी ताकत और इच्छा का प्रदर्शन करना होगा।

कटरीना कैफ ने किया एंजॉय

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कटरीना कैफ ो एंजॉय करने के मूड में नजर आईं। कटरीना अपनी निजी जिंदगी को लो प्रोफाइल रखना पसंद करती हैं। विकी कौशल से शादी के बाद सोशल मीडिया पर उनके हर एक पोस्ट पर खास नजर रहती है। रविवार को कटरीना ने अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वो रिलैक्स करने के मूड में नजर आईं। उनकी मिलियन डॉलर स्माइल देख फैन्स का दिन बन आया। इस वीडियो में कटरीना कैफ के सी-फेसिंग अपॉर्टमेंट की झलक भी देखी जा सकती है। वीडियो में कटरीना कैफ क्रीम कलर के कैजुअल आउटफिट में हैं। वह मुस्कुरा रही हैं। कटीरना अपने घर की बालकनी में बैठी हैं। बालकनी में एक छोटा सा गार्डन है। उनके पीछे समंदर का नजारा देखा जा सकता है। अपने बिजी वर्क शेड्यूल से कटरीना वक्त निकालकर रविवार को आराम करती दिखीं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'संडे वाइब्स।' विकी और कटरीना शादी के बाद इस नए अपार्टमेंट में शिफ्ट हुए हैं। उनका यह लग्जरी घर उसी कॉम्प्लेक्स में है जहां अनुष्का शर्मा और विराट कोहली रहते हैं। फैन्स ने उनके इस घर की झलक तब भी देखी जब पिछले साल कटरीना और विकी ने दोस्तों के लिए एक क्रिसमस पार्टी होस्ट की। कटरीना की आने वाली फिल्म 'फोन भूत' है। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर हैं। इसके अलावा कटरीना के पास सलमान खान के साथ 'टाइगर 3' है। फिल्म अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी। कटरीना की अगली फिल्म श्रीराम राघवन की 'मैरी क्रिसमस' है।

धूप में मोबाइल यूज करने से आपकी आंखें हो सकती हैं डैमेज

आज के समय में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा होगा, जो मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता होगा। डिजिटल युग में मोबाइल फोन से बचा रहना लगभग नामुमकिन है। आंखों की समस्या कई कारणों से हो सकती है, जिनमें से एक है फोन का लगातार इस्तेमाल और लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताना। लेकिन क्या आप जानते हैं कि धूप में फोन का इस्तेमाल करने से आंशिक अंधापन हो सकता है। मैक्यूलोपैथी, जिसे मैकुलर डिजनरेशन के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी बीमारी है जो रेटिना के पिछले हिस्से को प्रभावित करती है, जिसे मैक्युला कहा जाता है। मैकुलोपैथी वाले लोग पूरी तरह से अंधे नहीं होते हैं, लेकिन अक्सर इन्हें दिखाई नहीं देता। सौर मैकुलोपैथी के मामले में, सूर्य के सीधे संपर्क में आने से रेटिना और मैक्युला को नुकसान हो सकता है। ऐसे मामलों में लोगों को सूरज की किरणों के कारण डैमेज हुई आंखों के कारण आकृतियों को पहचानने में मुश्किल होती है।

कम उम्र के लोगों को ज्यादा खतरा-इस परेशानी में दो मामले सामने आए हैं, जिसमें रोगियों में से एक 20 वर्षीय लड़की है, जिसने समुद्र तट पर अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया, जबकि दूसरा रोगी 30 वर्षीय व्यक्ति है, जो धूप में बैठकर घंटों तक अपने टैबलेट पर पढ़ रहा था। हालांकि, यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि किन लोगों को इस बीमारी का खतरा सबसे ज्यादा है। यह संभावना है कि कम उम्र के लोगों को भी इस आंखों की बीमारी का ज्यादा खतरा है।

धूप वाला चश्मा पहनें-सनग्लासेज आपको सूरज की पराबैंगनी (यूवी) किरणों से बचाने में मदद करेगी। बहुत ज्यादा यूवी किरणों का आंखों पर पड़ने से मोतियाबिंद और कई दूसरी आंखों की प्रॉब्लम्स का खतरा रहता है।

लेंस चुनते हुए ध्यान रखें-आप अगर कॉन्टेक्ट लेंस पहनते हैं, तो यूवीए और यूवीबी किरणों के 99न्न से 100न्न को ब्लॉक करने वाले लेंस पहनें। रैप अराउंड लेंस आपकी आंखों को साइड से बचाने में मदद करते हैं।

सेफ्टी आईवियर का इस्तेमाल करें-आप अगर बिजली से जुड़ा कोई काम कर रहे हैं, तो सेफ्टी आईवियर का इस्तेमाल करें। आइस हॉकी, रैकेटबॉल और लैक्रोस जैसे खेलों से भी आंखों में चोट लग सकती है। आंखों की सुरक्षा का ख्याल रखें।

अब सामान्य सर्दी का रूप ले रहा कोरोना वायरस

टीकाकरण पर भारत के राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष डॉक्टर एनके अरोड़ा ने एक इंटरव्यू में कहा कि कोरोना सामान्य इन्फ्लूएंजा का रूप ले रहा है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब पिछले 28 दिनों में कोविड -19 से देशभर में 1,276 लोगों की मृत्यु हुई है। अरोड़ा के अनुसार, भारत एक ऐसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है, जहां लोग अपनी सामान्य दिनचर्या जारी रख सकते हैं। अस्पताल में कोविड संक्रमित 75 फीसदी से अधिक लोग ऐसे हैं जिन्होंने बूस्टर डोज नहीं ली है। उन्होंने कहा कि जेनोवा फार्मा की एमआरएनए वैक्सीन और भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन भी जल्द ही आएगी। उनसे हुई बातचीत के कुछ अंश-

मार्च के आसपास, एक दिन में करीब 1,000 कोरोना के नए मामले मिल रहे थे, जून और जुलाई में यह बढ़कर 15 हजार से 20 हजार हो गया। फिर पिछले तीन सप्ताह से मामलों में कमी आने लगी है। इसलिए, यह कहना संभव नहीं है कि मामले ऊपर-नीचे क्यों हो रहे हैं लेकिन कुछ वैज्ञानिक कारण हैं, जिससे केस बढ़ते-घटते हैं। पहला, बहुत से लोग यात्रा करते हैं तो संक्रमण तेजी से फैलता है, या जब कोई धार्मिक सामाजिक समारोह या कोई बड़ी राजनीतिक सभा होती है। दूसरा, ओमिक्रोन के कई सब-लाइनेज (उपवंश) सामने आ रहे हैं। तीसरा कारण यह है कि पिछले 8 महीनों में, जांच दर में भारी गिरावट आई है। हम नवंबर और दिसंबर में हर दिन 15 से 20 लाख लोगों की जांच कर रहे थे। अब यह घटकर दो से चार लाख प्रतिदिन हो गया है। हम कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि कोविड अब बहुत हल्का है। यह सामान्य सर्दी की तरह है, कुछ दिनों के लिए बुखार और गले के कुछ लक्षण हो सकते हैं, शरीर में दर्द होता है लेकिन वह 3 से 5 दिनों में कम हो जाता है। बहुत से लोग अपना टेस्ट नहीं करवा रहे हैं। सौभाग्य से, वर्तमान कोरोना वैरिएंट या ओमिक्रोन कम गंभीर रह रहा है। केवल उन्हीं व्यक्तियों में यह गंभीर हो रहा है जिन्हें पहले से ही कई तरह की बीमारियां हैं जैसे हृदय रोग, गुर्दे की बीमारी, कैंसर, फेफड़े की बीमारी आदि। इसलिए, उन्हें उनकी मूल बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और पता चलता है कोविड भी हो गया। मुख्य रूप से, कोरोना से गंभीर बीमारी नहीं हो रही है। लेकिन जिन्हें पहले से बीमारियां हैं वे बहुत सीरियस हो सकते हैं और इसलिए उदासीन नहीं रहना चाहिए। कोविड हमारे आसपास है और हमें सावधान रहना होगा। भारत में कई नए कोविड टीकों पर काम हो रहा है।

बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है आर्थराइटिस

गठिया की बीमारी केवल वृद्ध लोगों को ही नहीं, बल्कि बच्चों या किशोरों को भी हो सकती है। एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार 250 में से 1 बच्चा किसी न किसी प्रकार के गठिया से प्रभावित होता है। जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस 16 साल से कम उम्र के बच्चों में पाया जाने वाला क्रॉनिक आर्थराइटिस का एक रूप है। यह 1000 में से 1 बच्चे को प्रभावित कर सकता है। जेआईए होने पर प्रतिरक्षा प्रणाली सीधे जोड़ों पर हमला करती है। जिससे किसी भी बच्चे की जीवनशैली बाधित हो सकती है।अधिक जानने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें। ऐक्टिव रहना अच्छी लाइफस्टाइल का हिस्सा माना जाता है। हेल्दी डायट के साथ आपका बॉडी मूवमेंट अच्छे इम्यून सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। एक जगह बैठे रहने से आपको मोटापे सहित कई बीमारियां घेर सकती हैं। ऐक्टिव रहने का सबसे अच्छा तरीका है वॉक करना। टहलने के फायदे आप लोग कई बार पढ़ और सुन चुके होंगे। सबसे अच्छी बात है कि इसमें कुछ खास मशक्कत नहीं लगती न ही खर्चा आता है। अगर आप वॉक करने की प्लानिंग ही करते रह जाते हैं, अब तक शुरू नहीं किया तो इसके ये फायदे जरूर जान लें, मोटिवेशन मिलेगा। टहलने से आप जल्दी-जल्दी इनफेक्शंस के शिकार नहीं होते। 1000 लोगों पर हुई एक स्टडी में सामनेआया था कि जो लोग रोजाना 30 से 45 मिनट वॉक करते हैं, उनका बीमार होने का प्रतिशत कम होता है। उन्हें सांस से जुड़ी बीमारियां नहीं होतीं। तेज-तेज टहलने या ब्रिस्क वॉक करने से आपको लंबी उम्र मिलती है। शोधों में पता लगा है कि तेज टहलने से मौत का रिस्क ओवरऑल 20 फीसदी कम होता है। वहीं अगर आप ब्रिस्क वॉक करते हैं तो मौत का खतरा 24 फीसदी तक कम करता है। कई स्टडीज में यह बात सामने आ चुकी है कि टहलने से आपका मूड अच्छा होता है। वॉक करने से ऐंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में राहत मिलती है। ये भी पढ़ें- उल्टा टहलकर जल्दी घटेगा वजन, तेज चलेगा दिमाग, आपको पता हैं रिवर्स वॉकिंग के ये फायदे। विटामिन डी आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत करन के लिए बेहद जरूरी है। अगर आप सुबह के वक्त धूप में वॉक करते हैं तो आपको विटामिन डी भी मिलता है।

हेयर ग्रोथ के लिए किसी मैजिक से कम नहीं इन पांच फलों का जूस

बालों का झड़ना ज्यादातर लोगों की समस्या है। मौसम कोई भी हो लेकिन हेयर फॉल होना कम ही नहीं होता है। वहीं, जब मौसम बदल रहा होता है, तो फिर यह समस्या और भी ब? जाती है। ऐसे में आप हेयर फॉल रोकने के लिए काफी महंगे प्रॉडक्ट्स का भी इस्तेमाल करते रहते हैं लेकिन इससे कहीं न कहीं आपके बालों को ज्यादा नुकसान पहुंचता है क्योंकि ज्यादा केमिकल बालों के लिए सही नहीं है। ऐसे में शैम्पू, कंडीशनर, ऑयल और हेयर पैक के अलावा भी बालों का ख्याल रखना चाहिए। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि फलों और सब्जियों के जूस हमारे लिए कितने फायदेमंद हैं। जूस हेल्थ के लिए ही नहीं स्किन और बालों के लिए भी बहुत ज्यादा अच्छे हैं। आइए, जानते हैं ऐसे जूस जो बालों के लिए किसी मैजिक से कम नहीं हैं।

गाजर का जूस-गाजर विटामिन ए और ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं और समय से पहले सफेद होने से रोकते हैं। अगर आप घने और लंबे बाल पाना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में कम से कम एक गिलास गाजर का रस जरूर शामिल करें।

कीवी का जूस-कीवी का रस विटामिन ई से भरा हुआ है, जो बालों की ग्रोथ को प्रोमोट करता इसलिए, इसे रेग्युलर पीने से हेयर फॉल भी रूक जाता है। इसके फल के गूदे को अपनी स्कैल्प पर लगाने से भी आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

एलोवेरा जूस-एलोवेरा जूस बालों के झड़ने को कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें विटामिन होते हैं, जो बालों को मजबूत बनाते हैं। इससे इसकी टूटने की संभावना भी कम हो जाती है। जूस में मौजूद एंजाइम स्कैल्प को हाइड्रेट और पोषण देते हैं। इसे पीने के अलावा, आप डैंड्रफ और खुजली वाली स्कैल्प से छुटकारा पाने के लिए इसे सिर पर लगा सकते हैं। इतना ही नहीं यह बालों को सिल्की और शाइनी भी बनाता है।

आंवला जूस-आंवला का रस बालों और स्कैल्प के लिए भी बहुत ही अच्छा है क्योंकि इसमें विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में होता है, जो मुक्त कणों से लड़ता है। नियमित रूप से जूस पीने से नई कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा मिलता है। इसलिए, अगर आप हेल्दी बाल चाहते हैं, तो इसके जूस को डाइट में जरूर शामिल करें।

अमरूद का जूस-अमरूद का जूस एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ कैल्शियम, आयरन, फोलिक एसिड आदि जैसे विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बालों के लिए बेहतरीन होते हैं। इसका रस पीने के अलावा, अमरूद के पत्तों को उबालकर बालों को झड़ने से रोकने के लिए सिर पर लगा सकते हैं।

4 लोगों को नहीं करना चाहिए आंवले का ज्यादा सेवन

आंवला एक ऐसा सुपरफूड है जिसे हर मौसम में खाया जा सकता है. आंवले को स्वाद, सेहत और सुंदरता से भरपूर माना जाता है. आंवले से कई तरह की रेसिपीज बनाई जा सकती है. वैसे तो आंवले का सेवन ज्यादातर लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है. लेकिन कहते हैं हर चीज के दो पहलू होते हैं. कुछ अच्छे तो कुछ बुरे. आंवला भी उन्हीं में से एक है. कुछ लोगों के लिए आंवले का सेवन फायदेमंद नहीं बल्कि नुकसानदायक हो सकता है. तो इसका सेवन करने से पहले इस बात का खास ख्याल रखें. आंवले में विटामिन ए, बी कॉम्?प्?लेक?स, पोटैशियम, कैल्शियम, ,मैग्निशियम, आयरन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं. लेकिन आप इन समस्याओं से पीड़ित हैं तो ना करें इसका सेवन.

1. लो ब्लड शुगर)-लो ब्लड शुगर के मरीजों को आंवले का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए. क्योंकि आंवला ब्लड शुगर के लेवल को कम करता है. इतना ही नहीं जो लोग डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं उन्हें भी आंवले का सेवन करने से बचना चाहिए, नहीं तो फायदा की जगह नुकसान हो सकता है.

2. एसिडिटी)-अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें एसिडिटी की शिकायत अक्सर रहती है तो आप आंवले का ज्यादा सेवन करने से बचें, आंवले में विटामिन सी की मात्रा अधिक पाई जाती है, जो हाइपर एसिडिटी वाले लोगों की दिक्कतें बढ़ा सकता है.

मनोरम पहाड़ी इलाकों में भी बनने लगे गंदे कूड़े के पहाड़

पहाड़ी सैरगाहों पर बड़ी संख्या में होटल खुल गए हैं। सरकार इन्हें बड़ावा भी दे रही है, पर हजारों की संख्या में बने इन होटलों का कचरा कहां जाता है, यह चिंता न सरकार को है और न समाज को। कचरा ट्रीटमेंट प्लांट की सुविधा तो सरकार के पास ही बहुत कम नजर आती है, फिर होटल उद्योग से क्या उम्मीद करेंड़ भारत के सबसे ऊंचे कचरे के पहाड़, गाजीपुर, दिल्ली में जितने कचरे को रोज निपटाया जाता है, उससे करीब 400 टन ज्यादा नया कचरा रोज आ जाता है। खैर, पहाड़ों में दिक्क त यह है कि सैलानी अपने साथ प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन और पैक्ड फूड आदि लेकर चलते हैं और यह सब वे कचरे में छोड़ जाते हैं। फिर होटल रिसॉर्ट का काम शुरू होता है। सिर्फ एक सैलानी दिन भर में छह से आठ प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करता है। हर होटल रिसॉर्ट रोज करीब दो-तीन सौ बोतल अन्य कचरे के साथ जंगल में फेंक आता है या फिर जलाता है। दोनों स्थितियों में प्रदूषण फैलता है। यह जेनरेटर से पैदा होने वाले प्रदूषण से अलग है।

अब देश का शायद ही कोई ऐसा बड़ा शहर होगा, जहां लोग कचरे-कूड़े से परेशान न होंगे। अब तो पहाड़ों में भी पहले वाली बात नहीं रही। उत्तराखंड में आप नैनीताल, रानीखेत या कौसानी की तरफ निकल जाएं, हर कुछ दूरी पर कूड़े का ढेर मिल जाएगा। कुछ समय पहले अल्मोड़ा से जागेश्वर धाम की तरफ जाने पर एक जगह कूड़े का नया पहाड़ नजर आया। बताया गया कि शहर का कचरा यहीं डाला जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ शहर के आसपास ही कचरे का ढेर जमा हो रहा है। अब तो ज्यादा ऊंचाई वाली जगहों पर भी कचरे का ढेर आसपास के जंगल में आपको मिल जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आदि कैलास से सिर्फ चार महीनों में 500 किलोग्राम कचरा निकाला जा चुका है। बद्रीनाथ, केदारनाथ हो या फिर गंगोत्री, सब जगह कूड़े का ढेर मिल जाएगा। कहीं सामने, तो कहीं जंगल में किसी ढलान पर। जब तीर्थस्थल पर प्लास्टिक का कचरा बड़ता जा रहा हो, तो फिर बाकी जगह का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। पहाड़ी सैरगाहों पर बड़ी संख्या में होटल खुल गए हैं। सरकार इन्हें बड़ावा भी दे रही है, पर हजारों की संख्या में बने इन होटलों का कचरा कहां जाता है, यह चिंता न सरकार को है और न समाज को। कचरा ट्रीटमेंट प्लांट की सुविधा तो सरकार के पास ही बहुत कम नजर आती है, फिर होटल उद्योग से क्या उम्मीद करेंड़ भारत के सबसे ऊंचे कचरे के पहाड़, गाजीपुर, दिल्ली में जितने कचरे को रोज निपटाया जाता है, उससे करीब 400 टन ज्यादा नया कचरा रोज आ जाता है। खैर, पहाड़ों में दिक्कत यह है कि सैलानी अपने साथ प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन और पैक्ड फूड आदि लेकर चलते हैं और यह सब वे कचरे में छोड़ जाते हैं। फिर होटल रिसॉर्ट का काम शुरू होता है। सिर्फ एक सैलानी दिन भर में छह से आठ प्लास्टिक की बोतल इस्तेमाल करता है। हर होटल रिसॉर्ट रोज करीब दो-तीन सौ बोतल अन्य कचरे के साथ जंगल में फेंक आता है या फिर जलाता है। दोनों स्थितियों में प्रदूषण फैलता है। यह जेनरेटर से पैदा होने वाले प्रदूषण से अलग है। पहाड़ के छोटे से छोटे सैरगाहों पर बने चार से छह कमरे वाले होटल रिसॉर्ट भी बड़े-बड़े जेनरेटर रखते हैं। सौर ऊर्जा के इस दौर में भी सरकार ने क्यों इन्हें डीजल से चलने वाले जेनरेटर की इजाजत दे रखी है, यह समझ से परे है। जब आदि कैलास दर्शन के लिए सैलानियों की भीड़ बड़ रही हो, तब दूसरी जगह, कितनी भीड़ जा रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। अप्रैल से जुलाई के बीच नैनीताल जैसे पहाड़ी सैरगाह में इतनी भीड़ हो जाती है कि शहर में जाने पर रोक लगानी पड़ती है। खासकर शुक्रवार से रविवार यानी सप्ताहांत के समय दिल्ली, लखनऊ की तरफ से निजी वाहनों से आने वाले सैलानियों की संख्या बहुत ज्यादा बड़ जाती है। जब सैलानी बड़ेंगे, तो प्लास्टिक का कचरा भी बड़ेगा। इसकी वजह यह है कि कचरे को लेकर कोई कारगर नीति ही नहीं है। रोज कई टन कचरा जो पहाड़ पर फेंका जा रहा है, वह कहां जाता है, यह लोग नहीं जानते। दरअसल, जब भारी बरसात होती है, तब यह कचरा बहकर नीचे खेत और जंगल के साथ नदियों तक पहुंच जाता है। प्लास्टिक की बोतलें, विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री के पैकेट और इस्तेमाल की हुई प्लास्टिक की थैलियां भी खेत और ताल-तालाब के साथ नदियों तक पहुंच रही हैं। कचरा मानव जीवन के साथ-साथ पशुओं व जानवरों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके साथ ही बरसात के बाद तेज बहाव के चलते जब यह कचरा ताल-तालाब और नदी तक पहुंचता है, तो पानी को तो दूषित करता ही है, इसके साथ ही, मछलियों को भी जहरीला बना देता है। पहाड़ों में सामान्य जल स्रोतों का पानी ही पीने के काम आता है। जल संस्थान भी टंकी और पाइप के जरिये लोगों तक यह पानी पहुंचाता है। पर जब जल स्रोत के आसपास कचरे का ढेर लगा हो, तो जल स्रोत का पानी भी प्रदूषित हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ पर पीलिया और टायफाइड जैसी बीमारियों का दायरा भी इसी वजह से बड़ा है। दक्षिण व पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ी शहरों से सीखना होगा। पहले स्थानीय लोगों और प्रशासन को सजग होना पड़ेगा, तभी सैलानियों को स्वच्छता के प्रति अनुशासित करने में सुविधा होगी।

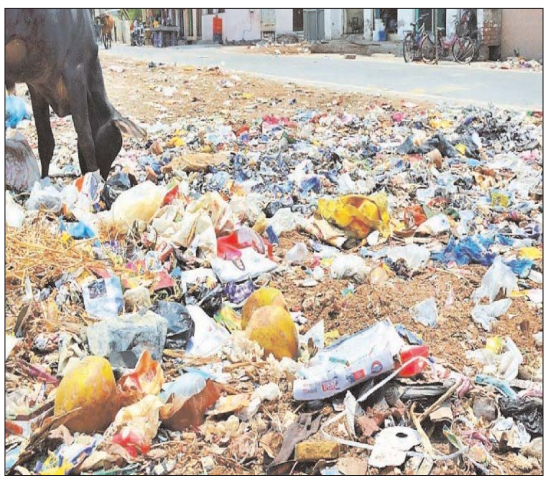

मतदाता सूची के सत्यापन हेतु आज घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों 23-करैरा, 24-पोहरी, 25-शिवपुरी, 26-पिछोर एवं 27-कोलारस के समस्त 1477 मतदान केंद्रो पर नियुक्त बीएलओ 20 नवंबर को मतदाता सूची के सत्यापन के लिये घर-घर पहुंचकर सत्यापन करेंगे। इस दौरान वे मतदाता सूची का सत्यापन पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं अपात्र मतदाताओं के नाम काटने, संशोधन करने का कार्य करेंगे। आयोग द्वारा इन 02 दिवसों में विशेष कैम्प का आयोजन कर अभियान के तौर पर उक्त कार्य करने के निर्देश दिये है। उक्त 02 दिवसों में फार्म प्राप्त करने की रिपोर्ट पृथक से बीएलओ को अपने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में सायं 05 बजे तक देनी होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले में 18-19 वर्ष के मतदाताओं के नाम बढाने, महिला मतदाताओं के नाम बढाने, विशेष पिछडी जनजातियों के नाम बढाने के लिये अलग-अलग नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बिजेंद्र सिंह यादव द्वारा बताया गया कि जिले के ऐसे मतदान केंद्र जहां 18-19 आयुवर्ग के एक भी

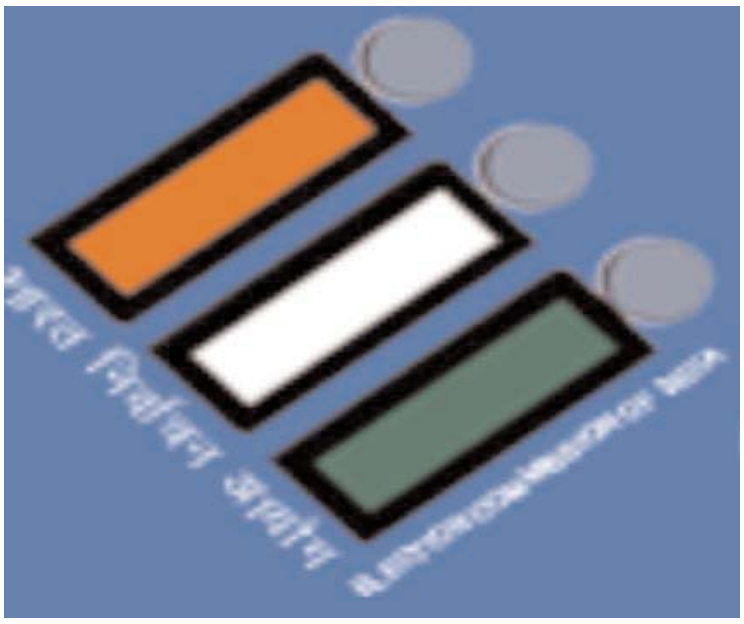

मतदाता दर्ज नहीं है। ऐसे मतदान केंद्रो की पृथक से निगरानी के लिये नायब तहसीलदार शिवपुरी श्री आशीष यशवाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिले में महिला मतदाताओं के नाम आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप बढाने के लिये महिला बाल विकास शिवपुरी के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेंद्र सुंदरियाल को उक्त कार्य के लिये दायित्व सौंपे गये है। जबकि विशेष पिछडी जनजातियों का सर्वे करने, पात्र नाम मतदाता सूची में जोडने मैदानी स्तर पर जनजातीय विभाग के अधिकारी कर्मचारी नियुक्त करने के लिये आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक श्री महावीर प्रसाद जैन को उक्त कार्य के लिये नोडल अधिकारी बनाया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। गत दिवस राजस्व अधिकारियों की बैठक में भी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता सूची को परिष्कृत करने के लिये तथा अभियान का प्रचार-प्रसार करने तथा समीक्षा करने के लिये बैठक में उपस्थित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किये गये।

जादू नहीं विज्ञान है कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं रहीं प्रथम

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

बदरवास । जादू नहीं विज्ञान है कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमें अंधविश्वास से ढोंगी और पाखंडी लोग किस प्रकार लोगों को भ्रमित करते हैं और अपने जालसाज में फसाकर उनसे मोटी रकम वसूल कर ले जाते हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि जो लोग पाखंड के जरिए सीधे-साधे लोगों को फंसाते हैं वह कोई जादू या टोना नहीं करते बल्कि विज्ञान के प्रयोगों के द्वारा ही लोगों में अंधविश्वास फैलाते हैं यह कार्यक्रम सी एम राइज विधालय में संपन्न हुआ इस कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास, सीएम राजे स्कूल बदरवास, मडवासा हाई स्कूल, आगरा हाई स्कूल, अकोदा हाई स्कूल, अटलपुर हाई स्कूल ,श्यामपुरा हाईस्कूल ,धामनटूक हाईस्कूल आदि विद्यालयों ने भाग लिया जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं प्रथम स्थान पर रही वही दूसरे स्थान पर सी एम राइज स्कूल के विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर रहे और मडवासा हाई स्कूल के विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे इसके लिए 3 सदस्यों की निर्णायक समिति का गठन किया गया जिसमें खान सर धामनटूक हाई स्कूल के प्राचार्य श्री प्रदीप जैन और नरेंद्र खरे इस समिति के सदस्य रहे इस प्रतियोगिता में श्री राकेश शर्मा जी द्वारा तृतीय स्थान पर आए विद्यालय की घोषणा की गई वही द्वितीय स्थान पर आए सी एम राइज स्कूल बदरवास की घोषणा श्री चंद्र श्रीवास्तव द्वारा की गई और प्रथम स्थान पर रहे शासकीय कन्या उ.मा.वि.बदरवास की घोषणा सी एम राइज विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र गुप्ता जी द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कपिल परिहार द्वारा किया गया कार्यक्रम में सभी विद्यालयों के विज्ञान प्राभरी के अलावा सैकड़ों विधार्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

महारानी लक्ष्मीबाई के अगर एक प्रतिशत गुणों का अनुषर्ण भी किया तो कोई श्रद्धा टुकड़ों मैं नहीं कटेगी

जगदीश पाल रिपोर्टर
खनियाधाना

पिछोर । पिछोर के सरस्वती शिशु मंदिर में आज महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती मनाई गई कार्यक्रम की सारी भूमिका ओर रुप रेखा विद्यालय के ही भइया बहिनों द्वारा बनाई गई जिसमे मुख्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्या भारती के पदाधिकारी वहिंन सपना यादव , स्वेता दांगी ओर वहिंन संस्क्रति त्रिपाठी रहीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में अततिथिओं द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए और दीप प्रज्वालित किया गया।

इसके बाद महारानी के जीवन पर कक्षा 6 की वहिंन वैष्णवी तिवारी ने प्रकाश डाला इसी क्रम में कक्षा सप्तम के भैया आयुष भार्गव ने बताया कि किस तरह लक्ष्मीबाई अंग्रेजों से लड़ी थी सोनम लोधी , शरद रजक अपूर्वा कलावत ने भी अपने अपने भाषण में महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन के बारे में बताया अन्त में विद्यालय के आचार्य विशाल भार्गव ने अपने उद्बोधन में बताया कि किस तरह ब्रिटिश इतिहासकारों ने महारानी को उस समय की एक शक्तिशाली और साहसी महिला बताया कि महारानी लक्ष्मीबाई जैसा साहस उस काल मे पुरुषों में भी कम देखने को मिलता था। उन्होंने अपने भाषण में बताया की जिस तरह झाँसी की रानी तलवार बाजी ओर अन्य युद्ध कलाओं में निपुण थीं यदि आज के समय की बेटियां ओर बहिनें उनके गुण का एक प्रतिषत भी अपना लें तो जो समाज मे बहिन बेटियों के साथ घटनाएं ओर दुर्घटनाये घट रहीं हैं वह कम हो जाएंगी उन्होंने दिल्ली की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जो घटना श्रद्धा के साथ दिल्ली में घटित हुई ऐसी घटनाये बन्द हो सकती हैं बहिन बेटियों को महारानी के गुणों को जीबन में उतारना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य कोमल सिंह दांगी, अजय भार्गव,मुकेश गुप्ता, आरती पांडेय, रचना श्रीवास्तव, शिवानी शर्मा, अंतिमा मिश्रा, ज्योति गुप्ता, शेलेन्द्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग में ई अटेंडेंस लगाने से पहले इसमें सुधार करे सरकार: जनक सिंह रावत

शिक्षा विभाग के साथ अन्य विभागों में लागू हो ई अटेंडेंस

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -पुरानी पेंशन बहाली संघ न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत ने प्रेस को दी गई विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त विद्यालयों में एम शिक्षा मित्र के माध्यम से कर्मचारियों को ई अटेंडेंस से ऑनलाइन उपस्थिति देने का आदेश जारी किया गया है संगठन इसका स्वागत करता है लेकिन इसमें जो विसंगतियां है उनको दूर किया जाए उसके बाद एम शिक्षा मित्र पर ऑनलाइन ई अटेंडेंस को प्रारंभ किया जाए संगठन मांग करता है कि एम शिक्षा मित्र में शाला के प्रधानाध्यापक द्वारा शाला के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति एम शिक्षा मित्र ऐप के माध्यम से दर्ज की जाती है सबसे बड़ी परेशानी कर्मचारियों को यह हो रही है के संस्था के प्रधानाध्यापक के ना आने पर समस्त स्टाफ की उपस्थिति कौन देगा अभी तक केवल शिक्षा विभाग

के प्रधान अध्यापक द्वारा शाला के सभी कर्मचारियों की अटेंडेंस का संचालन किया जाता है यदि किसी कारण बस प्रधान अध्यापक विद्यालय नहीं आता अन्यथा वह छुट्टी पर रहता है उस स्थिति में कर्मचारियों की उपस्थिति कौन लगाएगा दूसरी समस्या एम शिक्षा मित्र द्वारा कभी-कभी विद्यालयों की दूरी 10 से 15 किलोमीटर दूर बताई जा रही है इसमें सुधार किया जाए प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या है उसको सुधार किया जाए शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य विभागों में भी यह व्यवस्था लागू की जाए केवल शिक्षा विभाग में ही नए-नए प्रयोग क्यों किए जाते हैं सरकार शिक्षकों की इ अटेंडेंस व्यवस्था में सुधार करें शिक्षा विभाग के कर्मचारी की अटेंडेंस के माध्यम से उपस्थिति लगाने के तैयार हैं लेकिन प्रदेश के समस्त विभागों में स्कूल लागू किया जाए इसमें सुधार अति आवश्यक है अन्यथा संगठन मध्य प्रदेश के हर जिलों में खिलाफ आंदोलन करेगा।

स्नौद नगर परिषद अध्यक्ष राजकुमारी कुशवाहा के पति जमुना कुशवाहा के अपहरण के बाद एसपी राजेश सिंह चंदेल से लगाई सुरक्षा की गुहार

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर नगर परिषद स्नौद की हैं जहा अध्यक्ष पति के अपरहण के बाद अध्यक्ष पति जमुना प्रसाद कुशवाहा ने शिवपुरी आकर पुलिस अधीक्षक महोदय को आवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि उसके अप्रैल की खबर सुनकर पूरे परिवार वाले सदमे में हैं और डरे हुए हैं इसलिए एसपी राजेश सिंह चंदेल को आवेदन के माध्यम से अपनी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए एक गार्ड दिए जाने के लिए आग्रह किया। आपको बता दे कि चुनावी रंजिस के कारण जमुना कुशवाह को जान से मारने की धमकी भी दी गई घटना दिनांक 16.11.2022 को नगर परिषद स्नौद अध्यक्ष राजकुमारी के पति के साथ गुडे बदमाशों ने मार पीट की भी तथा उन्हें बंधक बना कर अपने साथ जंगल में ले गये तथा दो लाख रूपयों की मांग की गई तथा मोबाइल छीन लिया था उस घटना के सम्बंध में मेरे पति जमुना प्रसाद कुशवाह ने पुलिस थाना स्नौद में आरोपीगण के विरुद्ध एफ. आई. आर. दिनांक 18.11.2022 को दर्ज कराई है उक्त लोगों के विरूद्ध धारा 294,307,34 भादवि का अपराध पुलिस थाना स्नौद द्वारा पंजीक्रत किया गया । अध्यक्ष पति को नगर परिषद के कार्य से बाहर रहना पड़ता है और गुट बदमासी से जान माल का खतरा बना हुआ है कोई भी असमाजिक तत्व कभी भी उसके पति व परिवार के प्रति अप्रिय घटना कर सकते है ऐसी स्थिती में उसके पति की जान माल की रक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाना आवश्यक है। एसपी राजेश सिंह चंदेल ने तुरंत गिरफ्तारी के आदेश देते हुए सुरक्षा गार्ड मुहैया कराया और भविष्य में ऐसी कोई घटना ना घटे इसके लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया।

प्रशासन ने महूअर नदी से मशीन और 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए

शिवपुरी। करैरा में शनिवार को प्रशासन ने खनन माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सुनारी पुलिस चौकी क्षेत्र के लमकना घाट महूअर नदी पर अवैध रेत खनन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने महूअर नदी से रेत का अवैध खनन करते हुए 1 एलएनटी मशीन और 2 ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की।प्रशासन की छापामार कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। प्रशासन की टीम को मौके पर आता देख खनन माफिया नदी में एलएनटी मशीन को छोड़कर मौके से भाग निकले।

रेत माफिया कर रहे थे रेत का अवैध खनन-जानकारी के मुताबिक लमकना घाट महूअर नदी से रेत माफिया प्रतिदिन लाखों रुपए की रेत का अवैध खनन कर रहे थे। सूचना के बाद प्रशासन ने छापामार कार्रवाई की। इस मामले में खनिज अधिकारी आरपी भदकारिया ने बताया कि जिला कलेक्टर और एसपी के निर्देश पर खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आगे भी खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

बोला - आरोपी ने 2 लाख रुपए की रंगदारी मांगी, बंधक बनाकर पीटा

शिवपुरी। नगर परिषद स्नौद के अध्यक्ष पति ने पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल से सुरक्षा गार्ड की मांग की है। अध्यक्ष पति का कहना है कि उन से रंगदारी के एवज में स्नौद के बदमाश ने 2 लाख रुपए की मांग की थी। पैसे न देने पर बदमाश द्वारा धमकी दी जा रही है। बदमाश चुनावी रंजिश को लेकर उसके पीछे पड़ा है।

ये था मामला-भाजपा की ओर से चुकी गई स्नौद नगर परिषद अध्यक्ष राजकुमारी कुशवाह के पति जमुना प्रसाद कुशवाह ने एसपी राजेश सिंह में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। नगर परिषद अध्यक्ष पति ने पुलिस को बताया कि 16 नवंबर की दोपहर स्नौद निवासी भूरा तिवारी पुत्र राजाराम तिवारी उसे जंगल में स्थित सिध्दकलेश्वर स्थान पर ले गया था। जहां भूरा और उसके दो साथियों ने उसके हाथ बांध दिए। भूरा तिवारी ने कट्टा लगाते हुए धमकी देने लगा कि मैंने तेरे को पहले मना किया था कि तू मेरी बार्ड से चुनाव मत लड़ना। हम काफी समय से वहां से सक्रिय हैं। लेकिन तूने नहीं मानी और अब तू नेता बन गया है। तुझे अब 2 लाख रुपए देने होंगे। नगर परिषद अध्यक्ष राजकुमारी कुशवाह के पति जमुना प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि मंदिर में मुझसे कसम खिलाई गई। मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगा और 23 नवंबर को दो लाख रुपए दे दूंगा। तब कहीं जाकर वह छूट के घर आया था। इसके बाद गुरुवार की रात भूरा तिवारी फिर एक बार घर पर आता है और फिर से धमकी देकर चला जाता है। इससे वह बहुत ही डरा हुआ है। इसकी शिकायत अपने परिजन और समाज के लोगों के साथ चर्चा करने के बाद स्नौद थाने में पहुंचकर दर्ज करा दी थी। लेकिन भूरा तिवारी के डर से वे काफी डरे है इसलिए उसे एक सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। इसी की मांग को लेकर वह आज पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा है।

विधायक बंगले पर कांग्रेस द्वारा मनाई गई भारत की पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

गोहद/आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोहद के द्वारा भारत की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती मनाई गई। जिसमें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष गुर्जर द्वारा उनके जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला एवं उनके जीवन से प्रेरणा लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को काम करने की नसीहत दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष मंजूजगदीश माहोर कार्यकारी अध्यक्ष गणेशराम शर्मा, रागीनी चौहान, गायत्री माहौर, कैलाश माहौर, रमजानी खान, महेश कौशल,तहसील शाह, दिनेश गुर्जर, विजय निगम, कमलेश गुर्जर, प्रमोद शुक्ला,रामजी गुर्जर पिंकी उच्चाडिया, अजमत अली, सोनू भटनागर,साकिर अली खान, कैलाश जाटव, दीपक श्रीवास्तव, अजीत शर्मा राजकुमारी जाटव, बबलू बरैया, भागीरथ विजावर, कैलाश राठौर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुमठी हटाकर पार्किंग बनाई, 1 महीने में चोरी हुई 28 बाइक

शिवपुरी। जिला अस्पताल के बाहर आज ट्रैफिक पुलिस और नगर पालिका की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अस्पताल के मेन गेट के बाहर से टी- स्टालों और हाथ ठेलों को हटाकर नपा की जमीन को खाली करवा दिया। इस जमीन पर अब पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि अस्पताल के मुख्य द्वार पर अधिक संख्या में 2 पहिया वाहन खड़े कर दिए जाते थे। जिससे हर रोज जाम की स्थिति बनती थी। इसी के चलते आज नगर पालिका की जमीन से स्टॉल और हाथ ठेला लगाकर व्यापार करने वालों को हटाया गया है।

1 महीने में 28 बाइक चोरी-यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि अब तक अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर खड़ी हुई 28 बाइक महज एक ही महीने में चोरी हो चुकी है। इसकी मुख्य वजह बाइक चालक पार्किंग में अपने वाहन को ना खड़ा करते हुए कहीं भी खड़ा कर देते थे। परंतु अब पार्किंग व्यवस्था होने के बाद वाहन चोरी की घटनाओं में काफी गिरावट देखने को मिलेगी इसके साथ ही अगर पार्किंग में खड़ी हुई बाइक चोरी होती है तो उसकी जवाबदारी पार्किंग ठेकेदार की ही रहेगी।

मुनाफाखोरी करने पर तहसीलदार ने छापा मारा

400 बैग यूरिया जब्त कर मैरिज हॉल सील किया

शिवपुरी। शिवपुरी में किसान खाद के लिए परेशान हो रहे हैं तो कुछ खाद विक्रेता मोटा मुनाफा कमाने के लिए खाद की जमाखोरी कर रहे हैं। खाद की जमाखोरी का एक मामला बैराड़ से सामने आया है। बैराड़ तहसीलदार ने मैरिज गार्डन पर छापामार कार्रवाई करते हुए यूरिया खाद के 400 कट्टे जब्त कर मैरिज हॉल को सील को सील कर दिया।

मैरिज गार्डन के हॉल में मिला खाद-जानकारी के अनुसार बैराड़ नगर के ठाकुर बाबा मंदिर के पीछे स्थित गगन मैरिज गार्डन के हॉल में खाद विक्रेता

ने यूरिया खाद की जमाखोरी कर रखी थी। सूचना के बाद मैरिज गार्डन पहुंचे बैराड़ तहसीलदार प्रतिभा पाल ने छापामार कार्रवाई करते हुए यूरिया खाद के 400 कट्टे जब्त किए हैं। इसके बाद मैरिज गार्डन के हॉल को मय कट्टे के सील करने की कार्रवाई की है। तहसीलदार प्रतिभा पाल ने बताया कि सूचना मिली थी कि मैरिज गार्डन में अनाधिकृत रूप से खाद की जमाखोरी की गई है। जिस पर कार्रवाई कर यूरिया खाद के 400 कट्टे जब्त कर मैरिज गार्डन के हॉल को सील किया गया है। खाद विक्रेता से जब्त खाद से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं।

कलापथक दल ने नशा मुक्त अभियान के तहत दिलाई प्रतिज्ञा

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

आदि की जानकारी विस्तार से देकर नशा न करने बारे लोगों

शिवपुरी- कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह एवं सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री एन.के.जैन के निर्देशन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कलापथक दल द्वारा आज शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख कलाकार श्री विनोद श्रीवास्तव ने उपस्थितजन को नशा न करने की शपथ दिलाते हुए जिला को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने नशे के प्रकार, नशा एक बीमारी है, नशे की बीमारी से मुक्ति, नशे के बारे में पैदा हुई गलत धारणाओं व नशा प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मुख्य लक्षणों को जागरूक किया गया। सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रुप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। इस अवसर पर स्टेशन प्रबंधक आर.एस.मीणा, राजेंद्र चौहान, राजकुमार शाक्य, महेश्वर सिंह सहित यात्रीगण उपस्थित थे।

न्यूज़ ट्रैक....

भारत-न्यूजीलैंड मैच बारिश के कारण रद्द, दूसरा मैच 20को

वेलिंगटन। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम पहला मुकाबला खेलने उतरी थी। दोनों टीमों के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में फुटबॉल खेलकर टाइमपास करते नजर आए। अब दूसरा टी-20 20 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मैच दोपहर 12 बजे शुरू होना था, लेकिन वेलिंग्टन में लगातार बारिश आ रही थी। बारिश नहीं रुकी ऐसे में करीब डेढ़-पौने दो घंटे इंतजार करने के बाद मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया। भारतीय सिलेक्टर्स ने इस दौरे में युवाओं पर दांव खेला है। टीम की कमान हार्दिक पंड्या के पास है। उनके सामने न्यूजीलैंड को उसके घर में हराने की चुनौती है। पिछली बार उन्हें आयरलैंड दौरे में टीम का कप्तान बनाया गया था। जहां से वे जीत कर लौटे थे।

विराट-अनुष्का के साथ नजर आये अनुपम

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह क्रिकेटर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के साथ नजर आ रहे हैं। अनुपम की विराट और अनुष्का से मुंबई एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई थी। उसी दौरान यह तस्वीर ली गयी थी। इस दौरान अनुष्का और विराट एक-दूसरे के साथ काफी खुश नजर आ रहे हैं। दोनों ने सफेद रंग की स्वेटशर्ट और काली पैंट पहनी हुई थी। इसी दौरान इस दंपति की मुलाकात अनुपम खेर से भी हुई थी। इस खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए अनुपम ने इस दंपति को लेकर कई बातें भी लिखी हैं। अनुपम ने इस खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा है, , 'एयरपोर्ट लाउंज में विराट और अनुष्का से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई।

कश्मीर घाटी के एक और गेंदबाज ने अपना दावा पेश किया

मुम्बई । तेज गेंदबाज उमरान मलिक के बाद अब कश्मीर घाटी का एक अन्य तेज गेंदबाज टीम इंडिया में प्रवेश के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहा है। आकिब नबी नाम के इस तेज गेंदबाज के पास गति के साथ-साथ स्विंग भी है। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी सक्षम हैं। नबी का विजय हजारे ट्रॉफी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। इस वीडियो में वह जम्मू कश्मीर की ओर से खेल रहे थे। इसमें उनकी स्विंग गेंदबाजी दिखी है। अपनी तेज गेंदबाजी के साथ ही स्विंग की कला के कारण वह अन्य गेंदबाजों के मुकाबले बेहतर साबित होंगे। नबी की इस गेंदबाजी के साथ स्विंग देखकर प्रशंसक उनसे काफी खुश हैं, और आईपीएल फेंचाइजी से अपील कर रहे हैं कि उमरान की तहर ही इस गेंदबाज को भी अवसर दिया जाये। अब देखना है कि प्रशंसकों की अपील का फेंचाइजी खेमें में कितना असर होता है।

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के पास है सबसे ज्यादा रकम

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र के लिए अगले माह 23 दिसंबर को कोच्चि में मिनी नीलामी होगी। इस सत्र के लिए सबसे ज्यादा रकम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के पास है। ऐसे में वह बड़ी रकम देकर बड़े खिलाड़ियों को खरीद सकेगी। उसके पास नीलामी से पहले ही 42 करोड़ से ज्यादा की रकम हो गयी है। वहीं, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर है जबकि मुंबई इंडियंस तीसरे और चेन्नई सुपर किंग्स चौथे नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स के पास अभी ज्यादा रकम नहीं बची है।

सनराइजर्स हैदराबाद : 42.25 करोड़

रिटेन खिलाड़ी: अब्दुल समद, एडेन मार्करम, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को जानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक.

रिलीज हुए खिलाड़ी: केन विलियम्सन, निकोलस पूरन, जगदीश सुचित, प्रियम गर्ग, रविकुमार समर्थ, रोमारियो शेफर्ड, सौरभ दुबे, सीन एबॉट, शशांक सिंह, श्रेयस गोपाल, सुशांत मिश्रा, विष्णु विनोद.

टीम में खिलाड़ियों की जगह : 13 खिलाड़ी (4 विदेशी)

पंजाब किंग्स: 32.2 करोड़

रिटेन खिलाड़ी: शिखर धवन, शाहरुख खान, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे. जितेश शर्मा, राज वाबा, ऋषि धवन, लियाम लिविंग्स्टन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, नाथन एलिस, कगिसो रबादा, राहुल चाहर, हरप्रीत बरार

रिलीज हुए खिलाड़ी: मयंक अग्रवाल, ओडियन स्मिथ, वैभव अरोड़ा, बेनी हॉवेल, ईशान पोरेल, अंश पटेल, प्रेरक मांकड़, संदीप शर्मा, रितिक चटर्जी। टीम में खिलाड़ियों की जगह = 9 खिलाड़ी (3 विदेशी)

मुंबई इंडियंस : 20.55 करोड़

रिटेन खिलाड़ी:रोहित शर्मा, टिम डेविड, रमनदीप सिंह, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, जोफा आर्चर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अरशद खान, कुमार कार्तिकेय, ऋतिक शौकीन, जेसन बेहरेन्ड्रॉफ और आकाश माधवाल.

रिलीज हुए खिलाड़ी: कीरोन पोलार्ड, अनमोलप्रीत सिंह, आर्यन जुयाल, बेसिल थंपी, डैनिएल सैम्स, फैबिएन ऐलन, जयदेव उनादकट, मयंक मर्कंडे, मुरुगन अश्विन, राहुल बुद्धि, राइली मेरेडिथ, संजय यादव और टायमल मिल्स.

टीम में खिलाड़ियों की जगह : 9 खिलाड़ी (3 विदेशी)

चेन्नई सुपर किंग्स: 20.45 करोड़

रिटेन खिलाड़ी: एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, डेवन कॉनवे, मोइन अली, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, अंबति रायडू, ड्वेन प्रिटोरियस, महीश तीक्षणा, प्रशांत सोलंकी, दीपक चाहर, मुकेश चौधरी, सिमरजीत सिंह, तुषार देशपांडे, राजवर्धन हंगरगेकर, मिचेल सैंटनर, महीष पथिराना, सुभ्रांशू सेनापति.

रिलीज किए गए खिलाड़ी:ड्वेन ब्रावो, एडम मिल्न, क्रिस जॉर्डन, एन जदगीशन, हरी निशांत, के भगत वर्मा, केएम आसिफ, रॉबिन उथप्पा। **टीम में खिलाड़ियों की जगह :** 7 खिलाड़ी (2 विदेशी)

कोलकाता नाइट राइडर्स : 7.05 करोड़

रिटेन खिलाड़ी: श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतीश राणा, रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह.

रिलीज किए गए खिलाड़ी: पैट कमिंस, एरॉन फिंच, एलेक्स हेल्स, सैम बिलिंग्स, अजिंक्य रहाणे, शिवम मावी, मोहम्मद नबी, चमिका करुणारत्ने, अभिजीत तोमर, अशोक शर्मा, बाबा इंद्रजीत, प्रथम सिंह, रमेश कुमार, अमन खान, रसिख सलाम, शेल्डन जैक्सन.

टीम में खिलाड़ियों की जगह : 11 खिलाड़ी (3 विदेशी)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: 8.75 करोड़

रिटेन खिलाड़ी : फाफ डु प्लेसी, विराट कोहली, सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत, फिन एलन, ग्लेन मैक्सवेल, वानिंदु हसारंगा, शाहबाज अहमद, हर्षल पटेल, डेविड विली, कर्ण शर्मा, महिपाल लोमरोड़, मोहम्मद सिराज, जॉश हेजलवुड, सिद्धार्थ कौल, आकाश दीप.

रिलीज खिलाड़ी: जेसन बेहरनडॉर्फ, अनीश्वर गौतम, चामा मिलिंद, लवनिथ सिसोदिया, शेरफाने रदरफोर्ड। टीम में खिलाड़ियों की जगह :10 खिलाड़ी (2 विदेशी)

अभी तक टी20 प्रारुप नहीं समझ पायी है भारतीय टीम : अश्विन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि भारतीय टीम अभी तक टी20 प्रारुप को नहीं समय पायी है। साथ ही कहा कि हमें अभी इसको समझने में समय लगेगा। अश्विन ने यह बात हाल में भारतीय टीम को एशिया कप और उसके बाद टी20 विश्वकप प्रारुप में मिली असफलता को देखते हुए कही है। अश्विनने कहा कि इस प्रारुप में महारथी बनने के लिए अभी हमें काफी कुछ सीखना और उसे अमल में लाना है। अश्विन ने कहा, हमने आईपीएल शुरु किया। हमारे पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन के लिए ऑरेंज और पर्पल कैप हैं। इसमें हम देखते हैं कि किसने कितने रन बनाए और किसने कितने विकेट लिए हालांकि अब हमें इसपर फिर से विचार की जरूरत है। यह विचार की बात है कि द्विपक्षीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन और पिछले एक साल में घर या बाहर कोई भी सीरीज नहीं हारने के बाद भी टीम आईसीसी मुकाबलों में विफल रही है। अश्विन आईपीएल के आने वाले सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते नजर आएंगे। आईपीएल के पिछले सत्र में उन्होंने राजस्थान के लिए 17 मैचों में 27.29 की औसत और 141.48 की स्ट्राइक रेट से 191 रन बनाए थे. इसमें एक अर्धशतक भी शामिल था। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 7.51 की इकॉनमी से 12 विकेट अपने नाम किए थे।वहीं टी20 विश् कप में उनका प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा वह केवल जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में ही चार ओवरों में 22 रन देकर तीन विकेट ले पाए थे। अन्य मुकाबलों में उनकी गेंदों पर काफी रन बने थे जिससे उनको अंतिम ग्यारह में रखने को लेकर भी सवाल उठे थे।

इटली में सीरीज ए वॉलीबाल मैच में टीम के साथियों के साथ जश्न मनाती हुई स्केडिसी झू टिंग।

पराग ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतक लगाया

कोलकाता । युवा खिलाड़ी रियान पराग ने विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-बी के यहां खेले गये एक मैच में असम की ओर से सिक्किम के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। पराग को आईपीएल 2023 के लिए राजस्थान रॉयल्स ने बरकरार रखा है। रॉयल्स के इस फैसले को अब पराग ने सही साबित किया है। असम की ओर से खेल रहे रियान ने इस मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 93 गेंद में 137 के स्ट्राइक रेट से 128 रन बनाये। पराग ने अपनी इस पारी में 7 छक्के और 5 चौके लगाए। वो असम की पारी के अंतिम 50वें ओवर में पेवेलियन लौटा। तब तक असम के 300 रन से अधिक हो गये थे। असम ने पराग के शतक की सहायता से 8 विकेट के नुकसान पर 307 रन बनाए। उनके अलावा अमलानज्योति दास ने 62 गेंद में 47 रन बनाए। इससे पहले रियान ने इस सत्र के अपने पहले मैच में ही राजस्थान के खिलाफ 84 गेंद में 117 रन बनाये थे। अपनी इस पारी में रियान ने 10 चौके और 6 छक्के लगाये थे। रियान की इस पारी की सहायता से असम ने राजस्थान को 272 रन का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में राजस्थान की टीम 33.3 ओवर में 128 रन ही बना सकी थी और असम ने यह मैच 143 रन से जीता था। इस मैच में रियान ने 5 ओवर में 27 रन दिए थे। पराग ने अब तक विजय हजारे ट्रॉफी के 4 मैच में 72 की औसत से 291 रन बनाए हैं। इस साल सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में असम की तरफ से सबसे अधिक 253 रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

कनेरिया ने पाक कप्तान को जिद्दी करार दिया

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने टीम के कप्तान बाबर आजम की आलोचना करते हुए कहा है कि वह एक जिद्दी व्यक्ति हैं। कनेरिया ने कहा कि आजम की जिद से पाक को नुकसान हो रहा है। आजम की कप्तानी में पाक टीम को टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। पूरे टूर्नामेंट में बाबर ने केवल एक ही मैच में अर्धशतक लगाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पारी शुरु करते हुएसात पारियों में 17.71 के औसत और 93.23 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 124 रन बनाए। वहीं वसीम अकरम सहित बहुत सारे विशेषज्ञ पहले ही कह चुके हैं कि बाबर पारी की शुरुआत के लिए एक अच्छा विकल्प नहीं है।

व्यापार न्यूज

सोना सस्ता, चांदी ने बढ़ाई चमक

नई दिल्ली । भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव लाल निशान में खुला है. लेकिन चांदी का भाव आज उछला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी का भाव आज भी टूटा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.01 फीसदी गिरकर ट्रेड कर रहा। कल सोने का भाव एमसीएक्स पर 0.42 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं चांदी एमसीएक्स पर 0.38 फीसदी तेज हो गई है। कल चांदी वायदा बाजार में 1.69 फीसदी लुककर बंद हुई थी। शुक्रवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 5 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 52,838 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोने 52,843 रुपए पर खुला था, खुलने के बाद भाव 52,855 रुपए तक गया लेकिन फिर थोा गिरकर 52,838 रुपए हो गया। कल गुरुवार को सोने का भाव एमसीएक्स पर 52838 रुपए पर बंद हुआ था। चांदी का भाव 61,262 रुपए पर खुला था। एक बार भाव 62,290 रुपए तक गया लेकिन बाद में भाव थोा गिरकर 61,211 रुपए हो गया। कल चांदी का भाव वायदा बाजार में 60950 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। तरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के भावों में गिरावट जारी है। गुरुवार को भी सोने और चांदी का भाव लुका था। सोने का हाजिर भाव 0.67 फीसदी गिरकर 1,762.02 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 1.54 फीसदी लुककर 21.09 डॉलर प्रति औंस हो गया है। कल चांदी का भाव 1.36 फीसदी टूटा था। सर्राफा बाजार में कल गुरुवार को सोना 161 रुपए की गिरावट के साथ 53,235 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में तेजी पर कारोबार

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले और हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज पर सुबह 0.34 फीसदी का उछाल दिख रहा था, जबकि जापान का निक्केई 0.31 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा था। ताइवान के शेयर बाजार में 0.66 फीसदी का उछाल है तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 1.13 फीसदी की बढ़त बना चुका है। विशेषज्ञ का कहना है कि बाजार के पॉजिटिव सेंटिमेंट की वजह से आज बढ़त बनाने का पूरा अनुमान है और ऐसे में कुछ स्टॉक जबरदस्त प्रदर्शन कर सकते हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सत्र में 618.37 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जबकि इसी दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी 449.22 करोड़ रुपए के शेयर खरीद डाले।

इस साल अडानी और अंबानी कमाई के मामले में नंबर वन

अडानी की नेटवर्थ 56.4 अरब डॉलर और अंबानी की नेटवर्थ 10.4 करोड़ डॉलर बढ़ी

नई दिल्ली । भारत और एशिया के सबसे ज्यादा अमीर कारोबारियों में शामिल गौतम अडानी इस साल कमाई के मामले में नंवर वन पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल उनकी कमाई तेजी के साथ बढ़ी है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ इस साल 56.4 अरब डॉलर बढ़ी है और वह कुल 133 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। दिलचस्प बात है कि इस दुनिया को प्रमुख 10 अमीरों में केवल अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में ही इजाफा हुआ है। बाकी सभी की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में एलन मस्क पहले नंबर पर हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ की नेटवर्थ में इस साल अब तक 89.7 अरब डॉलर की गिरावट आ चुकी है। पिछले साल नवंबर की शुरुआत में उनकी नेटवर्थ 335 अरब डॉलर पहुंच गई थी लेकिन इसके बाद से इसमें भारी गिरावट आई है। इस सूची में अगला नाम मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग का है जिनकी नेटवर्थ में 82.9 अरब डॉलर की कमी आई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में इस साल 74.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है। मस्क 181 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में पहले नंबर पर बने हुए हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट 157 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 20.6 अरब डॉलर पर है। बेजोस की नेटवर्थ 118 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। बिल गेट्स की नेटवर्थ में 25.3 अरब डॉलर, वॉरिन बफेट की नेटवर्थ में 1.61 अरब डॉलर, लैरी एलिसन की नेटवर्थ में 14.3 अरब डॉलर, लैरी पेज की नेटवर्थ में 37.6 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ में 36.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 10.4 करोड़ डॉलर बढ़ी है। वह 90.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की सूची में नौवें नंबर पर हैं। कभी तीसरे नंबर पर काबिज जकरबर्ग अब 42.5 अरब डॉलर के साथ 27वें नंबर पर खिसक गए हैं।

कर्मचारियों के सामूहिक इस्तीफे से मस्क हुए नरम

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर में काम को लेकर एलन मस्क के रवैये से नाराज अब सैंकड़ों कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की खबर सामने आई है। ट्विटर 2.0 के निर्माण के लिए बोझिल कार्य संस्कृति और लंबे समय तक काम करने की मांग से ये कर्मचारी नाराज थे। इस बारे में एलन मस्क की ओर से आधी रात को भेजे ईमेल के बाद सैकड़ों कर्मचारियों ने कथित तौर पर इस्तीफा दे दिया है। हालांकि खबर है कि इन सामूहिक इस्तीफों के बाद एलन मस्क के तेवर में नरमी आई है और वे नाराज कर्मचारियों से वापस काम पर आने की अपील कर रहे हैं। इन कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा ऐसे समय में दिया है जब एलन मस्क पहले से ही कंपनी में कर्मचारियों की छंटनी और अन्य बदलावों को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं. 44 अरब डॉलर की डील में ट्विटर को खरीदने के बाद मस्क सीनियर मैनेजमेंट समेत 3,700 पूर्व कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुके हैं। दरअसल बुधवार को एलन मस्क ने कंपनी के कर्मचारियों को देर रात एक ईमेल भेजा था, जिसमें बताया गया कि अगर वे कंपनी में काम करना चाहते हैं तो उन्हें तेजी के साथ कई घंटों तक काम करना होगा जो लोग ट्विटर पर बने रहना चाहते हैं, उनके पास निर्णय लेने के लिए एक दिन का समय था। अन्यथा उन्हें तीन महीने सैलरी मिलेगी और नौकरी से निकाल दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क से मिले इस अल्टीमेटम की समय सीमा समाप्त होने के बाद सैकड़ों कर्मचारियों ने स्लैक पर विदाई संदेश पोस्ट करना शुरू कर दिया। कई लोगों ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अपने इस्तीफे का ऐलान भी किया। एलन मस्क के इस फरमान से कंपनी में कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मची हुई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि कर्मचारियों के इस्तीफे सामने आने के बाद एलन मस्क के तेवर में नरमी आई है।

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 81.54 प्रति डॉलर

मुंबई । विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और भारतीय बाजारों में विदेशी पूंजी की आवक के बीच रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 10 पैसे मजबूत होकर 81.54 के भाव पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.59 के भाव पर खुला और थोड़ी ही देर में यह और तेजी के साथ 81.54 के स्तर तक भी पहुंच गया। इस तरह पिछले बंद भाव के मुकाबले रुपये में 10 पैसे की मजबूती दर्ज की गई। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 38 पैसे टूटकर 81.64 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत गिरकर 106.51 पर पहुंच गया।

कच्चे तेल में बड़ी गिरावट, बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा

कच्चे तेल की कीमतों में करीब तीन डॉलर प्रति बैरल की गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब तीन डॉलर प्रति बैरल की गिरावट देखी गई है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में शुक्रवार को बदलाव देखा जा रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए हैं, लेकिन यूपी में इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 96.60 रुपए लीटर और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर पर ही है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल 96.26 रुपए लीटर और डीजल 89.45 रुपए लीटर है। हालांकि, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 50 पैसे महंगा होकर 108.12 रुपए लीटर और डीजल 47 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर हो गया है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर गिरकर 89.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई करीब 3 डॉलर की गिरावट के साथ 82.12 डॉलर प्रति बैरल है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए/ति लीटर हो गया

सेंसेक्स 48 अंक टूटकर 61,700 पर, निफ्टी 18,394 पर

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, बाद में गंवाया लाभ

मुंबई । एशियाई बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार में दोनों ही मानक सूचकांकों ने शुक्रवार को सकारात्मक शुरुआत की लेकिन शुरुआती लाभ जल्द ही गवां भी दिया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 179.28 अंक चढ़कर 61,929.88 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर व्यापक एनएसई निफ्टी 50.7 अंक की बढ़त के साथ 18,394.60 पर आ गया। हालांकि बाद में दोनों ही मानक सूचकांकों ने शुरुआती लाभ गवां दिया और नुकसान में कारोबार करने लगे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 48.91 अंक टूटकर 61,701.69 पर आ गया वहीं निफ्टी 20.25 अंक की गिरावट के साथ 18,323.65 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंफोसिस, लार्सन एंड टूब्रो और भारतीय स्टेट बैंक लाभ पाने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, टाइटन, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल नुकसान में रहे। पिछले सत्र में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 230.12 अंक टूटकर 61,750.60 पर बंद हुआ था। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 65.75 अंक की गिरावट के साथ 18,343.90 पर बंद हुआ था। निवेशकों आज शुरुआत से ही एशियन पेंटस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंज्युमर प्रोडक्ट, एचडीएफसी लाइफ और अडानी इंटरप्राइसेज जैसी कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाना शुरू कर दिया। लगातार खरीदारी से ये स्टॉक्स टॉप गेनर की सूची में आ गए। वहीं एमएंडएम, हीरो मोटोकार्प, टाइटन कंपनी, ओएनजीसी और नेस्ले इंडिया जैसी कंपनियों में शुरुआत से ही बिकवाली चल रही थी। ये स्टॉक्स टॉप लूजर की श्रेणी में कारोबार कर रहे थे। आज के कारोबार को अगर सेक्टरवार देखें तो आधे बंटे नजर आते हैं। इससे बाजार का कन्फ्यूजन साफ दिख रहा है। निफ्टी पीएसयू, मीडिया, बैंक जैसे सेक्टर में जहां एक फीसदी तक उछाल नजर आ रहा, वहीं निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी और आईटी इंडेक्स में 0.50 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

फरियादी द्वारा थाना मोहना में अपने ही टैक्टर ट्रोली को बेचकर दर्ज कराया झूठा चोरी का मामला, फरियादी व उसके साथियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फायनेंस कम्पनी में रूपये जमा न कराना पड़े एवं बीमा की राशि लेने फरियादी द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर टैक्टर ट्रोली को बेच दिया था, आरोपियों की निशादेही पर थाना मोहना पुलिस ने चोरी गया टेक्टर ट्रोली मथुरा एवं धोलपुर से किया बरामद

रहीश भैया 7869883786

ग्वालियर। 19.11.2022- दिनांक 09.11.2022 को फरियादी जागेन्द्र सिंह रावत निवासी धोवट थाना बेलगढा जिला ग्वालियर ने थाना मोहना पर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 09.11.22 को रात्री 02.30 बजे फरियादी का ट्रैक्टर सोनालिका ष्ठद्ब 50ऋङ्ग सिकंदर नीले रंग का जिसका नंबर स्ब्ब07/5284 को मय ट्रॉली को हाईवे रोड तिराहे से कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है, चोरी गये ट्रैक्टर ट्राली की कीमत 4,50,000/- रुपये थी। फरियादी की रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 219/2022 धारा 379 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना दिनांक के बाद पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) श्री गजेन्द्र वर्धमान को उक्त चोरी का शीघ्र पर्दाफाश करने हेतु थाना मोहना पुलिस की टीम बनाने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन व एसडीओपी घाटीगांव सुश्री हिना खान के कुशल मार्गदर्शन में चोरी की घटना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी मोहना निरीक्षक के.पी. यादव के नेतृत्व में टीम बनाकर प्रकरण की विवेचना की गई। उक्त चोरी के प्रकरण के तारतम्य में फरियादी से चोरी के ट्रैक्टर के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई। फरियादी से मोहना क्षेत्र में ट्रैक्टर आने के मार्ग के संबंध में पूछताछ की गई तो जो मार्ग बताया गया, उस मार्ग के पुलिस टीम द्वारा सीसीटीव्ही फुटेज देखे गये। सीसीटीव्ही फुटेज देखने के बाद स्पष्ट हुआ कि घटना दिनांक समय को कोई भी टेक्टर उस मार्ग से मोहना में नहीं आया। जिस पर से पुलिस टीम द्वारा फरियादी से पुनः पूछताछ की गई तो फरियादी जागेन्द्र रावत द्वारा अपने ग्राम डोंगर जिला शिवपुरी एवं ग्राम धोवट जिला ग्वालियर निवासी अपने साथियों के साथ मिलकर उक्त चोरी गये टेक्टर ट्रोली को फायनेंस की किस्त जमा न करनी प? और बीमा की राशि प्राप्त करने हेतु स्वयं के टेक्टर को ग्राम भरना खुर्द थाना बरसाना जिला मथुरा (उ.प्र.) में 480000/- रूपये में दिनांक 08.11.2022 को बेच दिया था। जिसकी स्टाम्प पर लिखा प?ी कराई गई थी एवं ट्राली का रंग रोगन कराने का कहकर धौलपुर में कल्लू मिस्त्री की दुकान पर ख?ी कर दी थी। बाद उपरोक्त आरोपियों की निशादेही पर थाना मोहना पुलिस द्वारा चोरी गई टेक्टर ट्रोली मथुरा एंव धोलपुर से बरामद कर जप्ती की गई है। पुलिस द्वारा उक्त प्रकरण के फरियादी व उसके साथियों को दिनांक 19.11.22 को गिरफ्तार कर लिया गया है। सराहनीय भूमिका– उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहना निरीक्षक के.पी. यादव, उनि अजय पाल यादव, सउनि बालकृष्ण, आर0 अमित शाक्य, आर0 रोहित शिवहरे, आर0 गंभीर सिंह जाट आर0 नरेश शाक्य की सराहनीय भूमिका रही है। उक्त चोरी के प्रकरण का खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

शास. हाई स्कूल भदरौली में वर्ल्ड टॉयलेट डे मनाया

विश्व शौचालय दिवस (वर्ल्ड टॉयलेट डे) 19 नवंबर 2022 को शासकीय हाई स्कूल भदरौली , ब्लॉक मुरार, जिला ग्वालियर, कि शाला में राज्य शिक्षा केंद्र, मध्यप्रदेश शासन, युनिलीवर एवं यूनिसेफ की सहयोगी संस्था रॉस इंडिया द्वारा मनाया गया 7 जिसमें उपस्थित सभी विद्यार्थियों को शौचालय एवं स्वच्छता का उपयोग एवं महत्व बतलाया,साथ ही बच्चों की मानव श्रृंखला बनाकर विश्व शौचालय दिवस लिखवाकर सभी को विश्व शौचालय दिवस एवं शौचालय के उपयोग का संदेश दिया गया इसी दौरान बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए स्वच्छता रन प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत, मुरार, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्रीमती अर्चना जादौन ने स्वच्छता का महत्व, नियमित हाथ धोने के फायदे तथा शौचालय का उपयोग करने पर सभी को मार्गदर्शित किया। जिला शिक्षा कार्यालय से आए श्री संजीव श्रीवास्तव जी (श्वश्व) विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नियमित स्वच्छता अपनाने, शौचालय का उपयोग करने और साबुन से हाथ धोने के महत्व बतलाएं 7 इसी दौरान ग्वालियर संभाग से वॉश के सलाहकार अतुल त्रिवेदी जी ने सभी विद्यार्थियों को सुमन के विधि से हाथ धोने की स्टेप कराते हुए नियमित साबुन से हाथ धोने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया तथा स्कूल प्राचार्य लोकेश अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व शौचालय दिवस मनाने एवं हमारे जीवन में स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है के बारे में बताते हुए मार्गदर्शित किया इसी क्रम में स्कूल शिक्षक सूरज मनकेले ने विद्यार्थियों को स्वच्छता रन कराया और स्वच्छता पेंटिंग कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इसी दौरान रॉस इंडिया टीम से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मनोज चौरसिया जी ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए उपस्थित विद्यार्थियों की मानव श्रृंखला के माध्यम से विश्व शौचालय दिवस लिखवाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके साथ ही आज भदरौली शाला के विद्यार्थियों ने फन फेयर मेला लगाकर स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल लगाए जिसका सभी शिक्षक और अतिथियों ने भरपूर आनंद लिया7 इस कार्यक्रम में ग्वालियर संभाग से वॉश के सलाहकार अतुल त्रिवेदी, जिला पंचायत मुरार, समन्वयक निरंजन शर्मा ,जनपद पंचायत मुरार समन्वयक श्रीमती अर्चना जादौन, जिला शिक्षा कार्यालय (श्वश्व) संजीव श्रीवास्तव ,स्कूल प्राचार्य लोकेश अग्रवाल ,स्कूल एच. एम.सुनील दत्त उपाध्याय ,शिक्षक सूरज मनकेले ,रॉस इंडिया टीम से मनोज चौरसिया एवं योगेश माहौर तथा समस्त स्कूल शिक्षक स्टॉप उपस्थित रहा7

कांग्रेस ने लक्ष्मीबाई इंदिरा गांधी को याद

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल की अध्यक्षता एवं महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार, पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला, विधायक प्रवीण पाठक, डॉ. सतीष सिंह सिकरवार, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा की उपस्थिति में आज वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधी स्थल एवं छत्री बाजार स्थित लेडिस पार्क में श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि सभा सम्पन्न हुई। सभी कांग्रेसजनों ने वीरांगना की समाधी एवं इंदिरा जी की प्रतिमा पर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।वीरंगना लक्ष्मीबाई एवं श्रीमंती इंदिरा गांधी जी को नमन करने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष अमर सिंह माहौर, इब्राहिम पठान, वीर सिंह तोमर, आनंद शर्मा, जेएच जाफरी, कृष्णराव दीक्षित, कृष्णकातं समाधिया, जयराज सिंह, श्रीमती रश्मि पवार शर्मा, पूरन सिंह कुशवाह, श्रीमती माधवी डिगे, अशोक प्रेमी, इन्द्रजीत सिंह, रामनरेश परमार, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती मीनू परिहार, सेवादल अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह गुर्जर, रमेश राजपूत, महादेव अपौरिया, शंकर गाबरा, तरूण यादव, जसवंत शेजवार, रमेश भारती, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश खान, राजेश बाबू, विष्णुकांत शर्मा, संजीव दीक्षित, श्रीराम सविता, गौरव शर्मा, भूपेन्द्र तोमर, अंकित कटठल, रूपेश दुबे, हेमंत कुशवाह, कुलदीप मगरैया, चेतन भार्गव, मुनेश निगम, लक्ष्मीनारायण श्रीवास, बृजेश शुक्ला, ओमप्रकाश राजपूत, अमरेश बघेल, चरन सिंह लोधी, नंदलाल घिया, राकेश कुशवाह, सतीष मिश्रा, रानू शर्मा, श्याम रोहिरा, राहुल सिंह बघेल, विजय सिंह, अनूप शिवहरे, पूरन सिंह सूर्यवंशी, गोविंद सिंह थोराठ, राजा यादव, सोनू भदौरिया, कमलेश मंसूरिया, मुकेश कुशवाह, गोविंद दास अग्रवाल, डॉ. आरसी राजपूत, नीतू सिंह, उषा दंडोतिया, बलराम ढींगरा, निधि शर्मा, रमेश कुशवाह, आयुब खान, शरद यादव, बालकृष्ण माने, रामबाबू श्रीवास, बुंदू खान, कपिल पाल, रामेश्वर दयाल, अजीत शर्मा आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा का जन्मदिन मनाया

ग्वालियर । शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल की अध्यक्षता में आज शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा का जन्मदिन हर्ष उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर सभी कांग्रेसजनों का मिष्ठान वितरण कर मुंह मीठा कराया गया।कार्यक्रम में मप्र सफाई कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराज सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अमर सिंह माहौर, वीर सिंह तोमर, हमीद खां उस्मानी, रशीद पहलवान, सरमन सिंह राय, रामनरेश परमार, रमेश सिंह राजपूत, देशराज भार्गव एड, संजीव दीक्षित, संजय फ?तरे, परमानंद रत्नाकर, भूपेन्द्र तोमर, सोनू भदौरिया, हेमंत कुशवाह, बृजेश शुक्ला, लक्ष्मीनारायण श्रीवास, चेतन सिंह राजपूत एड, चेतन भार्गव, रफीक खां मुल्ला जी, देवीप्रसाद यदुवंशी, धर्मेन्द्र शर्मा धीरू, अनुप शिवहरे, गोपाल दास प्रजापति आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मप्र कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष जयराज सिंह ने किया।

जननी सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का लंबित भुगतान शीघ्र किया जाए: कमिश्नर सिंह

ग्वालियर। संभागीय कमिश्नर दीपक सिंह ने जननी सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत भुगतान के लिए लंबित राशि का शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश ग्वालियर एवं चंबल संभाग के कलेक्टरों को दिए हैं। उन्होंने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जननी सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत लंबित भुगतान का निराकरण शीघ्र कराया जाए। आगामी समीक्षा बैठक में योजनांतर्गत प्रगति परिलक्षित नहीं होने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जायेगी। कमिश्नर दीपक सिंह ने पत्र में उल्लेख किया है कि जननी सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक अप्रैल 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक ग्वालियर संभाग के दतिया जिले में कुल लाभान्वित 4975 प्रकरणों में से 20 प्रकरण भुगतान के लिये लंबित हैं। इसी प्रकार ग्वालियर में 8434 में से 5018, शिवपुरी में 10950 में से 3891, गुना में 8531 में से 3094 तथा अशोकनगर जिले में लाभान्वित 6149 प्रकरणों में से 856 प्रकरण लंबित हैं। इस प्रकार कुल 39039 लाभान्वित प्रकरणों में से 12879 प्रकरण लंबित हैं। इसी प्रकार चंबल संभाग में मुरैना जिले में कुल लाभान्वित 14210 प्रकरणों में से 1758 प्रकरण, भिण्ड में 8535 में से 2282 तथा श्योपुर जिले में 4725 लाभान्वित प्रकरणों में से 1337 प्रकरण लंबित हैं। चंबल संभाग में कुल लाभान्वित 27470 प्रकरणों में से 5377 प्रकरण भुगतान के लिये लंबित हैं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि दोनों संभागों में कुल 66509 प्रकरणों में से 18258 प्रकरण भुगतान के लिये लंबित हैं। अत: इनका भुगतान कराने की कार्रवाई शीघ्र की जाए।

रेप के जिस आरोपी को क्लीनचिट दे लगा दी खात्मा रिपोर्ट, अब जांच आई पॉजिटिव

ग्वालियर.।ग्वालियर में पुलिस की जांच में लापरवाही का एक और नया मामला सामने आया है। 60 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के जिस आरोपी को पुलिस ने क्लीनचिट देकर मामले में खात्मा रिपोर्ट लगा दी थी अब उसकी ष्ठहृ रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जांच पर सवाल उठे हैं। अब कोर्ट ने इस खात्मा रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।इस मामले के बाद फिर पुलिस की जांच पर सवाल उठे हैं। बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म के इस मामले में दो आरोपी थे। मुख्य आरोपी को सिर्फ लोकेशन के आधार पर पुलिस ने जांच में बाहर कर खात्मा रिपोर्ट लगाई थी। पर अब कोर्ट ने यह खात्मा रिपोर्ट खारिज कर दी है।शहर के आपागंज गली नंबर-4 निवासी 60 वर्षीय कजरी बाई (बदला हुआ नाम) एक हलवाई के यहां पू?ी बेलने का काम करती है। महिला ने 24 मार्च 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि हलवाई दिलीप पाल व उसके सहयोगी भरत कुमार ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस को लिखाई रिपोर्ट में ये भी बताया कि दिलीप ने उस पर बटन वाले चाकू से हमला किया और जान से मारने के लिए गाड़ी ऊपर चढ़ा दी थी। इस मामले में स्नद्बक्र दर्ज करने के बाद पुलिस ने दिलीप को 24 मार्च और भरत को 28 मार्च को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में अपने बचाव में आरोपी दिलीप ने पुलिस को बताया कि वह घटना के समय वह रेलवे कॉलोनी में एक कार्यक्रम में था। पुलिस ने जब आरोपी के मोबाइल नंबर की (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) खंगाली तो मोबाइल लोकेशन रेलवे कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र की मिली। जो घटना स्थल बताया गया था वहां उसकी उपस्थिति नहीं दिखी। इसी को आधार बनाकर पुलिस ने न्यायालय में दिलीप पाल के प्रकरण में खात्मा रिपोर्ट प्रस्तुत की, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया।जब कोर्ट ने खात्मा रिपोर्ट स्वीकार नहीं की तो पुलिस ने आरोपी दिलीप का ष्ठहृ टेस्ट कराकर सैंपल जांच के लिए भेजा था। अब उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

तोड़फोड़ शुरू करते ही आप-कांग्रेस ने किया हंगामा, एक सैकड़ा गिरफ्तार, कार्रवाई जारी

ग्वालियर।ग्वालियर में शनिवार को किलागेट से फूलबाग के बीच बन रही रोड के चौड़ीकरण में बाधक 70 से 80 साल पुराने करीब 244 मकानों को तोड़ने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस व नगर निगम ने कार्रवाई शुरू की। प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता हंगामा करने पर उतर आए। पुलिस ने पहले उनको बातचीत कर हटाने का प्रयास किया, लेकिन जब नहीं माने तो हल्का बल प्रयोग कर करीब एक सैकड़ा कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी कर उन्हें पुलिस वाहनों में भरकर पुलिस लाइन पहुंचा दिया गया है।कांग्रेस ने इसे भाजपा शासन का गरीब लोगों के प्रति अन्याय बताया है। विधायक सतीश सिकरवार का कहना है कि जब लोग स्वेच्छा से मकान तोड़ रहे हैं तो जेसीबी चलाकर उनका नुकसान क्यों किया जा रहा है। दोपहर बाद भी प्रशासन की कार्रवाई जारी थी। काफी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा है।किलागेट से सेवा नगर पुलिया तक रोड के दोनों ओर की संपत्तियों पर निशान लगने के बाद लोगों ने न सिर्फ सामान समेटने का काम शुरू किया बल्कि अपने निर्माण के चिह्नित क्षेत्र की तुड़ाई भी खुद शुरू करा दी है। उधर, सराफ बाजार के निवासियों ने भी अपनी संपत्तियों को तोड़ना शुरू कर दिया है। लोगों द्वारा खुद ही हटाए जा रहे निर्माण को देखते हुए नगर निगम ने कार्रवाई को समय दे दिया है। किलागेट चौराहे पर 17 संपत्तियां तोड़ने के बाद नगर निगम ने किलागेट से सेवा नगर पुलिया तक रोड के दोनों ओर की 244 संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए छह घंटे के नोटिस चस्पा किए थे। नोटिस के अनुसार रोड की चौड़ाई 18 मीटर प्रस्तावित थी, लेकिन बाद में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के हस्तक्षेप के बाद रोड की चौड़ाई घटाकर 12 मीटर कर दी गई। इससे प्रभावित संपत्तियों की संख्या कम हो गई। इसके बाद लोगों ने खुद ही अपने निर्माण का चिह्नित भाग तोड़ना शुरू कर दिया। हालांकि तमाम लोग अब भी इस इंतजार में हैं कि शायद किसी राजनीतिक हस्तक्षेप से तुड़ाई रुक जाए। इस पर निगम के अधिकारियों ने गुरुवार को चर्चा कर तुड़ाई की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए पुलिस व जिला प्रशासन आदि विभागों से समन्वय भी स्थापित कर लिया गया है। शुक्रवार को निगम के क्षेत्रीय अधिकारियों ने निरीक्षण भी किया है। जिसके बाद शनिवार को तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू हो गई है।- प्रशासन की कार्रवाई को लेकर लोग आक्रोशित है। स्थानीय नागरिक रविन्द्र कुमार का कहना है कि 70 से 80 साल से यहां रह रहे हैं। जायज मकान है। इसके बाद भी प्रशासन ने लाल निशान लगा दिया। यह पहली बार नहीं है छटवीं बार निशान लगाया है। सड़क चौड़ी करने के चक्कर में कई लोगों को पूरे के पूरे मकान ही जा रहे हैं। ऐसे सौंद्रीयकरण का क्या फायदा।

बेहतर चिकित्सा सेवा में समाज की भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन 20 को

ग्वालियर । म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, ग्वालियर एवं ढ्ढरूग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में ÷बेहतर चिकित्सा सेवा में समाज की भूमिका÷ पर एक परिचर्चा का आयोजन आज 20 नवम्बर को सायंकाल 4 0 बजे 'चेम्बर भवन' में किया गया है । उपरोक्त आयोजन का मुख्य उद्देश?य चिकित्सकों से समाज की अपेक्षा एवं समाज से चिकित्सकों की अपेक्षा के बारे में बारीकी से समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा अपने विचार रखने का मौका मिलेगा । अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल सहित आईएमए के अध्यक्ष-डॉ. राहुल सप्रा एवं सचिव-डॉ. बृजेश सिंघल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्यगणों सहित शहर के व्यवसाई एवं उद्योगपतियों व शहर के प्रबुद्धजनों से उपरोक्त परिचर्चा में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर, कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है, ताकि ÷बेहतर चिकित्सा सेवा में समाज की भूमिका÷ पर आयोजित परिचर्चा अपने उद्देश?य की पूर्ति में सार्थक सिद्ध हो सके ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478